सेलेद

[विविधा]

डॉ. रामदयाल मुण्डा

सेलेद

(विविधा)

डॉ॰ रामदयाल मुण्डा

साइल राकाब पुथीसेंटर
बिराटी, कोलकाता

प्रथम संस्करण : करम महोत्सव, 2005

प्रकाशक : साइल राकाब पुथीसेंटर
बिराटी, कोलकाता

मुद्रक : सुकृत प्रेस
कचहरी रोड,
राँची – 834 001
फोन : 2309242

आवरण : अशोक पागल

मूल्य : 100 रूपये

SELED by Ram Dayal Munda • Contributory Price - 100/-

1. जी तोनोल (मन बंधन)
2. जी रानाड़ा (मन बिछुड़न)
3. एनेओन (जागरण)

प्राक्कथन

आज से बहुत पहले 1967 ई० में सेलेद [विविधा] नाम से कुछ मुण्डारी, नागपुरी और हिंदी गीत/कविताएं प्रकाशित हुई थीं। संयोग से यह पुस्तक राँची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के पाठ्यक्रम में सम्मिलित हुई तो इसकी चर्चा एक वृहत्तर दायरे में भी हुई। सुधी पाठकों से प्राप्त अनेक सुझावों में एक यह भी था कि मुण्डारी गीत/कविताओं के हिंदी अनुवाद सहित

रहने से मुण्डारी–इतर भाषा भाषियों के बीच इनकी उपादेयता बढ़ेगी। इसी आवश्यकतानुसार इसके वर्त्तमान संस्करण में हम पुस्तक के मुण्डारी अंश को किंचित विस्तार और पुनः संयोजन के साथ सानुवाद प्रस्तुत कर रहे हैं।

आशा है सेलेद का यह नया संवर्धित रूप पाठकों के बीच यथोचित स्थान पा सकेगा।

करम महोत्सव, 2005 *रामदयाल मुण्डा*

पुनश्च :

संकलन से चुने हुए कुछ गीत कैसेट रूप में भी उपलब्ध हैं। सेलेद के ये कैसेट प्रकाशक के अतिरिक्त सत्यभारती, पुरुलिया रोड, रांची एवं मुण्डारी साहित्य परिषद, दिरिओड़ाः, सारना टोली, रांची से भी प्राप्य हैं।

जी तोनोल

(मन बंधन)

अनुक्रमणिका

बान्दु नाड़ि हादोःरेआ

बान्दु नाड़ि हादोः रेओ
मेड़ेद सानाब सिदोः रेओ
जी बायार तोनोल दो
कागे सुगाड़ा राड़ाओः।
जी बायार तोनोल दो
कागे सुगाड़ा राड़ाओः।।

हातु–दिसुम आतूः रेओ
ओते–सिरमा डुबाओः रेओ
कुड़ाम दिरि ओनोल दो
कागे सुगाड़ा मेटाओः।
कुड़ाम दिरि ओनोल दो
कागे सुगाड़ा मेटाओः।।

सिंगि राटिः गितिःरेओ
चाण्डुः राटिः दुडुम रेओ
उड़ु सेंगेल जुनुल दो
कागे सुगाड़ा होकाओः।
उड़ुः सेंगेल जुनुल दो
कागे सुगाड़ा होकाओः।।

बान्दु लता के कट जाने पर

बान्दु लता के कट जाने पर भी
लोहे की सिकड़ी टूट जाने पर भी
मन का बन्धन
हे प्रिय, कभी नहीं टूटता।
मन का बन्धन
प्रिय, कभी नहीं टूटता।।

गाँव–देश बह जाने पर भी
धरती–आसमान डूब जाने पर भी
मन–पत्थर पर का लेखन
हे प्रिय, कभी नहीं मिटता।
मन पत्थर पर का लेखन
प्रिय, कभी नहीं मिटता।।

सूरज के सो जाने पर भी
चांद को नींद आने पर भी
मन की आग का जलना
प्रिय, कभी नहीं बुझता।
मन की आग का जलना
प्रिय, कभी नहीं बुझता।।

राग – मागे

इचाः बा हो आलाआकाना

इचाः बा हो आलाआकाना
बागेचिहोम होरोताना।
एहो, एला हो
किंकोड़ोः कोरे हातुताम दो।।

बागेचिहोम चेपेःताना
बालेकाहोम सोआनताना।
एहो, एला हो
किंकोड़ोः कोरे हातुताम दो।।

मिदे कोतो रोआ सानाञ
मिसा–मिसा लेलेमेताञ
एहो, एला हो
किंकोड़ोः कोरे हातुताम दो।।

बा लेकाञ आलामेआ
बाकिड़िरेञ राजा मेआ
एहो, एला हो
किंकोड़ोः कोरे हातुताम दो।।

इचाक का फूल खिला है

इचाक का फूल खिला है
क्या तुम फूल अगोर रहे हा?
हे प्रिय, आओ प्रिय
किंकोड़ो, तुम्हारा गांव कहां?

क्या तुम फूल चूसते रहते हा?
कि तुम फूल की तरह सुगंधित हा?
हे प्रिय, आओ प्रिय
किंकोड़ो, तुम्हारा गांव कहां?

मैं भी एक डार लगाना चाहूंगा
तुम उसे भी कभी–कभी देखना
हे प्रिय, आओ प्रिय
किंकोड़ो, तुम्हारा गांव कहां?

मैं तुम्हें फूल–सा पुष्पित करूंगा
पूरी बारी का राजा बनाऊँगा
हे प्रिय, आओ प्रिय
किंकोड़ो, तुम्हारा गांव कहां?

राग – काराम

मागे–फागुनेदो सेनोःजाना

मागे–फागुनेदो सेनोःजाना
राबाङ धरतीआते बिरिदजाना।
सांगिनाते कुइलिञ आयुममेआ
दारु–दारु कुइलिञ चिनामेआ।।

होयोते बा दारु एकेलाताना
माड़िते सुगाड़ा सोआन ओटाङताना।
लुदाम बाञ लला चिरे चम्पा बाञलेला
बागे नावा रासिम चाकाताना।।

कुदाञ लेला चिरे बारुञ लेला
सोबेनरे आमगेहोञ लेलेमेआ।
दारुञ लेला चिरे चुपादेञ लेला
एन रेओ आमगे होञ चिनामेआ।।

आलोगे कुइलिरेम सेनोः रूआड़
ओड़ाः दुआर दोले बाइआमेआ।
नेरेगे मिसातेबु जारू–जागार
ओते–आड़ि दोले चेदामेआ।।

माघ–फागुन का समय

माघ–फागुन का समय चला गया
सर्दी धरती पर से उठ गई।
कोयल, मैं तुम्हें दूर से सुनता हूं
कोयल, मैं तुम्हें हर पेड़ पर देखता हूं।।

हवा से फूल का पेड़ हिलता है
सुगंध धीरे से उड़ रही है।
मैं लुदम का फूल देखूं या चम्पा का फूल
तुम नए फूल का रस चख रहे हो।।

जामुन देखूं या कुसुम देखूं
सभी जगह तुम ही दिखाई देते हो।
पेड़ देखूं या झाड़ देखूं
वहां भी तुम ही दिखाई देते हो।।

कोयल, तुम वापस न जाना
हम तुम्हारे लिए घर–द्वार बना देंगे।
हम यहीं एक साथ बैठेंगे–बतियाएंगे
हम तुम्हारे लिए खेत खलिहान दिला देंगे।।

राग – जादुर

कोरे ताकिङ दिसुम

कोरे ताकिङ दिसुम
कोरे ताकिङ गामाए
कोतेकिङ छालेछाला
सुगि दाइगो
गंगा–जमुना किङ दो।।

मिसाकिङ तेतान
मिसाकिङ पोंडेन
दुकु–सुकुकिङ ताला
सुगि दाइगो
गंगा–जमुना किङ दो।।

कागेकिङ तिंगुन
कागेकिङ रूडुन
निकिङ नाङ बानोः जोला
सुगि दाइगो
गंगा–जमुनाकिङ दो।।

कहां इनका देश

कहां इनका देश
कहां इनकी धरती
छलछला कर ये कहां जा रहीं
हे दीदी सुगिया
गंगा–जमुना ये दो नदियां।।

कभी ये साफ दिखाई देतीं
कभी ये गंदली हो जातीं
दुख और सुख के बीच
हे दीदी सुगिया
गंगा–जमुना ये दो नदियां।।

ये रूकती नहीं
ये टिकती नहीं
इनके लिए कोई घाटी नहीं
हे दीदी सुगिया
गंगा–जुमना ये दो नदियां।।

राग – काराम

मिसिञ डाउडीरेन

मिसिञ डाउडीरेन
चिनाइआम साट्टाकेन
जेताना: कुलीरे
कागेकेन, कागेकेन
जेताना: कुली रे।।

माण्डिचि मेताइरे
कागे: मेनेआ।
इलि चि मेताइरे
कागे: मेनेआ।
मिसिञ डाउडीरेन....।।

हासु चि मेताइरे
कागे: मेनेआ।
रूआ चि मेताइरे
कागे: मेनेआ।
मिसिञ डाउडीरेन....।।

जू हो रागि पे हाटा: देओंड़ा
जू हो केड़ाइपे साकाम सोखा।
गाड़ा पारोमरे मेनाइ हाटा: देओंड़ा।
जू हो रागि पे हाटा: देओंड़ा।
जू हो केड़ाइपे साकाम सोखा।
नाइ पारोमरे मेनाइ: साकाम सोखा।।

डाउडी की मेरी बहन

डाउडी की मेरी बहन
तुम्हें तुरंत पहचान में आएगी।
कुछ पूछने पर
वह ना ना कहती है।
कुछ पूछने पर।।

'क्या भात चाहिए'? कहने पर
'ना' ही कहती है।
'क्या इलि चाहिए'? कहने पर
'ना' ही कहती है।
डाउडी की मेरी बहन....।।

'कोई दर्द है'? कहने पर
'ना' ही कहती है।
'ज्वर है'? कहने पर
'ना' ही कहती है
डाउडी की मेरी बहन....।।

जाओ बुला लाओ सूप में देखने वाले देवड़ाका।
जाओ, ले आओ पत्ती में देखने वाले ओझा का।
नदी के उस पार रहता है सूप वाला देवड़ा।
जाओ बुला लाओ सूपवाले देवड़ा को।
जाओ बुला लाओ पत्तीवाले ओझा को।
निर्झर के उस पार रहता है पत्तीवाला ओझा।।

राग – खेमटा कराम

ओको हाड़ाद काजितेचि — किस कड़वी बात से

ओको हाड़ाद काजितेचि		किस कड़वी बात से
चिमाए हेबेन बाकांड़ाते		या किस खट्टे वचन से
कुण्डामेरेम तिंगुआकाना	(2)	(लड़की) तुम पिछवार में खड़ी हो
एंगामेको काराम ताना माइ		तुम्हारे मां–बाप करम मना रहे हैं
कुण्डामेरेम तिंगुआकाना	(2)	तुम पिछवार में खड़ी हो।
आपुमेको जितिआताना माइ		तुम्हारे मां–बाप जितिया मना रहे हैं
सालान्दिरेम जापागाकाना।।	(2)	तुम छांछ के नीचे सहमी हुई हो।।

राग – काराम

कुण्डामेरेम तिंगुआकाना माइ		तुम पिछवार में खड़ी हो
कुण्डाम हासा हान्दिड़ितान।		पिछवार की मिट्टी धंस रही है।
सालान्दिरेम जापागाकाना माइ		तुम छांछ के नीचे सहमी हुई हो
चान्दाए दाः दो जोरोतान।।		छांछ का पानी चू रहा है।।

राग – जादुर

आमाः दुकु उड़ुकेआतेगे माइ		तुम्हारा दुःख सोचकर हे लकड़ी
कुंडाम हासा हान्दिड़ितान	(2)	पिछवार की मिट्टी धंस रही है।
आमाः बालाए पाहामकेआतेगे माइ		तुम्हारा कष्ट विचार कर हे लड़की
चान्दाए दाःदो जोरोतान	(2)	छांछ से पानी चू रहा है।।

राग – ओर जादुर

नेआ मिसाञ हिआतिङा	मुझे इसका दुःख है (कि)
कुण्डाम हासा हान्दिड़ितानागा	पिछवार की मिट्टी धंस रही है।
नेआ मिसाञ चाकातिङा	मुझे इसकी चिंता है (कि)
चान्दाए दाःदो जोरोतानागा	छांछ से पानी चू रहा है।।

राग – मागे

आम जाआः दारूरेदो

आम जाआः दारूरेदो आञ जाआः चेंड़े
आमागाः दाड़ा रेगेञ डेराएहोनाङ।
आम जाआः चुपादरेदो आञ जाआः ओंड़े
आमागाः उम्बुलरेगेञ बासाए होनाङ।।

आङोः पिचिद बोले तुरोः पिचिद
दुराङ तेगे बोलेञ जागार होनाङ।
आयुबोः पिचिद बोले हासुरोः पिचिद
गोलेतेगे बोलेञ बाकांड़ा होनाङ।।

ओते लोलोरेचा सिरिमा सितुङ
ओते लोलोरेञ होरोमे होनाङ।
ओते लोलोरेचा सिरिमा सितुङ
सिरिमा सितुङरेञ जांगिमे होनाङ।।

अगर तुम पेड़ होते

अगर तुम पेड़ होते और मैं पंछी
तुम्हारे पेड़ पर ही मैं डेरा डालता।
अगर तुम झाड़ी होते और मैं तीतर
तुम्हारी झाड़ी में ही मैं वास करता।।

हर सुबह, सूर्योदय के साथ
गीतों से ही बात करता मैं।
हर शाम, सूर्यास्त के साथ
गायन से ही बतियाता मैं।।

धरती की गर्मी, आकाश का ताप
धरती की गर्मी से तुम्हें बचाता मैं।
धरती की गर्मी, आकाश का ताप
आकाश के ताप से छिपाता मैं।।

राग – जादुर

सोंगेकोते सांगिआकान

सोंगेकोते सांगिआकान
गातिकोते गातिआकान
रेएड़ाकेन किन आंड़ि डोबारे
सुगाड़ा आबेनचि, आबेनचि ताइकेन
सुगाड़ा आबेनचि, आबेनचि ताइकेन।।

मिसातेगे रेंगेगोःकिन
मिसातेगे तेताङोःकिन
नूकेनकिन मिदे डूबारे
सुगाड़ा आबेनचि, आबेनचि ताइकेन
सुगाड़ा आबेनचि, आबेनचि ताइकेन।।

मुगुइ–मुगुइ लान्दातान लोः
जापागार उपुदुर तानलोः
दुबकेन किन जोजो सुबारे
सुगाड़ा आबेनचि, आबेनचि ताइकेन
सुगाड़ा आबेनचि, आबेनचि ताइकेन।।

ओकोए देराङ आयुमेतान
चिमाए देराङ आतेनेतान
हापेकेनकिन हेन्दे नुबाःरे
सुगाड़ा आबेनचि, आबेनचि ताइकेन
सुगाड़ा आबेनचि, आबेनचि ताइकेन।।

संगियों से घिरे हुए

संगियों से घिरे हुए
साथियों से बंधे हुए
गूलर–बांध में साथ नहाने वाले
प्रिय, वे दो क्या तुम्हीं थे, तुम्हीं थ?
प्रिय, क्या तुम्हीं थे, तुम्हीं थे ??

एक साथ की भूख तुम्हारी
एक साथ की प्यास तुम्हारी
एक डूभा से पीने वाले
प्रिय, वे दो क्या तुम्हीं थे, तुम्हीं थ?
प्रिय, क्या तुम्हीं थे, तुम्हीं थे??

मुस्की–मुस्की हंसी के साथ
बतियाने–धकियाने के साथ
तेतर की छांव में बैठने वाले
प्रिय, वे दो क्या तुम्हीं थे, तुम्हीं थ?
प्रिय, क्या तुम्हीं थे, तुम्हीं थे??

कोई शायद देख रहा
कोई शायद सुन रहा
सोच, काली रात में चुप रहने वाले
प्रिय, वे दो क्या तुम्हीं थे, तुम्हीं थे?
प्रिय, क्या तुम्हीं थे, तुम्हीं थे??

राग – काराम

आपे हातु आकाड़ा

आपे हातु आकाड़ा
जोजो सुबा जुंबाड़ा
जानाओ–जानाओ
नेते हिजुःगे, हिजुःगे सानाञ
जानाओ–जानाओ।।

डुल्कि दुमाङ साड़ितानरे
रुतु बानाम रुमुलतानरे
जानाओ–जानाओ
नेते हिजुःगे, हिजुःगे सानाञ
जानाओ–जानाओ।।

लांदा–जागार लिंगितानरे
सुकु–रासि जोरोतानरे
जानाओ–जानाओ
नेते हिजुःगे, हिजुःगे सानाञ
जानाओ–जानाओ।।

तुम्हार गांव का अखरा

तुम्हारे गांव का अखरा
इमली की छाया
हर रोज, हर रोज
मुझे यहां आने का जी करता है
हर रोज, हर रोज।।

ढोल–मांदर के बजने पर
बांसुरी–बानाम के गूंजने पर
हर रोज, हर रोज
मुझे यहां आने का जी करता है
हर रोज, हर रोज।।

हंसी–बात छलछलाने पर
सुख का रस झरने पर
हर रोज, हर रोज
मुझे यहां आने का जी करता है
हर रोज, हर रोज।।

राग – काराम

आञसे सांगिन दसुमरेनिः

आञसे सांगिन दिसुमरेनिः
मिसाओ का लेपेलाकानिः
कुलिमेरे चातें भालाम जागारे।
काराम चाण्डुः ने मुलुःरे।।

आञ काजि खाने चिमिन
नेआतेचाम हापे मुलिन
दुराङेरे चाते भालाम तेलाएरे।
काराम चाण्डुः ने मुलुःरे।।

ने नावा ताराल तेतेः
दानाङ हेपादेनाम चाते
लेलमेरे चाते भालाम हेताएरे।
काराम चाण्डुः ने मुलुःरे।।

हापेनमे चिमिनेमः सानाङ
लेलोःताना चिनाःम दानाङ
आचोंड़ेताम जीरेः आलाए–बालाए रे।
काराम चाण्डुः ने मुलुःरे।।

मैं दूर देश का आदमी

मैं दूर देश का आदमी
जिससे कभी भेंट नहीं हुई
पूछने पर तुम भला क्यों बात करोग !
करम का नया चांद उग आने पर।।

मैं कई बार बात उठाता हूँ
किन्तु तुम चुप रहते हो
गीत उठाने पर तुम भला क्यों उत्तर दोगे !
करम का नया चांद उग आने पर।।

इस नई स्वच्छ चांदनी में
तुम क्यों छिप रहे हो मुझसे
देखने पर तुम भला क्यों आंख मिलाओगे।
करम का नया चांद उग आने पर।।

चुप रह लेना, जितना चाहो
दिख रहा, जो तुम छिपाना चाहते हो
तुम्हारे भीतर आंचल के झलने में।
करम का नया चांद उग आने पर।।

राग – काराम

पोकेला हो हातु नुतुम

पोकेला हो हातु नुतुम
चिमिनेहोञ दांड़ा दुताम।
तिसिङेदो कुलिकुलिञ हिजुगाकान।
साड़ि रूम्बुल आयुम
जुगिलेकाञ सेटेराकाना
साड़ि रूम्बुल आयुम।।

काञ नामा बाबा–चाउलि
काञ नामा आर्कि इलि
आञदोहो दुराङेगेञ नालाताना।
साड़ि रूम्बुल आयुम
जुगिलेकाञ सेटेराकाना
साड़ि रूम्बुल आयुम।।

मिदे काड़िञ दुराङलेआ
तोलाकान जीञ राड़ालेआ।
लारि लेका आपेताःरेञ टेकादाकाना।
साड़ि रूम्बुल आयुम
जुगिलेकाञ सेटेराकाना
साड़ि रूम्बुल आयुम।।

पोकेला गांव का नाम लेकर

पोकेला गांव का नाम लेकर
मैं कहां कहां खोजता फिरा।
मगर आज खोजते–खोजते मैं पहुंच ही गया।
बाजे की गूंज सुनकर
मैं जोगी की तरह पहुंच गया
बाजे की गूंज सुनकर।।

मैं धान–चावल नहीं खोजता
मैं अरखी–इलि नहीं चाहता
मैं गीतों की मजदूरी करता हूं।
बाजे की गूंज सुनकर
मैं जोगी की तरह पहुंच गया
बाजे की गूंज सुनकर।।

मुझे एक कड़ी गाने दो
बंधा हुआ मन खोलने दो।
मैं बादल की तरह तुम्हारे पास आया हूँ।
बाजे की गूंज सुनकर
मैं जोगी की तरह पहुंच गया हूँ
बाजे की गूंज सुनकर।।

राग – काराम

हुड़िङ – हुडिङ काजिते

हुड़िङ – हुडिङ काजिते
एन मोद टुङ बाकाड़ाँते
हाड़ाँजानाम कुसुद–कुसुदा
खाने खानेञ कुलि केना
कागेम जागारा।।

गुरिःगिड़ि होरा रे
गोलाँचि डाड़ि रे
रोलो–रोलोम इआम सायादा
खाने खानेञ कुलि केना
कागेम जागारा।।

गुड़ तेचिञ बेदा मेआ
रानु तेचिञ रानु मेआ
होन लेकाम केरेद–बेरेदा
खाने खानेञ कुलि केना
कागेम जागारा।।

बाइओः रेचाञ लान्दा मेआ
दाड़ि रेचाञ हेबे मेआ
उपाएः–उपाएः मुण्डाम चाकादा
खाने खानेञ कुलि केना
कागेम जागारा।।

छोटी – सी बात से

छोटी सी बात से
एक वाक्य के अर्थ से
तुम रुठ गये, सिसक रहे
बार–बार पूछता हूँ
तुम बात नहीं करते।।

गोबर फेंकने के रास्ते पर
गोलांची डाड़ी पर
तुम रोते हो, आहें भरते हो
बार–बार पूछता हूँ
तुम बात नहीं करते।।

क्या मैं गुड़ खिला दूं
या कोई दवा पिला दूं
तुम बच्चों की तरह नखरा करते
बार–बार पूछता हूँ
तुम बात नहीं करते।।

बात बनती तो मजाक करता
सामर्थ्य होता तो गोद में लेता
तुम व्यर्थ ही मुझे चकमा दे रहे हो
बार–बार पूछता हूँ
तुम बात नहीं करते।।

राग – काराम

मेसे–मेसे डाटारे हेन्दे मिसि सुगठित दांतों में काली मिस्सी

मेसे–मेसे डाटारे हेन्दे मिसि	सुगठित दांतों में काली मिस्सी
आमचि लान्दाए सिसि?	प्रिय सिसि, फूल क्या तुम्ही हंसती हो?
होटोः रे रुपा मान्दोलि।	गले में चांदी की मादुली।
हिचि हिचि आमचि सेने ओरी	प्रिय क्या तुम्ही बाहें उलारती चलती हो ?
झाना–झाना साड़ी चूड़ी।।	तुम्हारी चूड़ियाँ झन–झनातो हैं।।
माराङ गाड़ा चिल्का तेतेः तारे	बड़ी नदी जैसे चाँदनी रात में
आमचि लान्दाए कारे?	प्रिय हरि फूल, क्या तुम्हीं हंसती हो ?
सुपिद रे बा सारि–सारि।	तुम्हारे जूड़े में फूलों की लड़ियाँ।
लुतुररे रुक–झुकु मोन्दारि	कान में हिलती बालियाँ
झाना–झाना साड़ी चूड़ी।।	झन–झना रही हैं तुम्हारी चूड़ियाँ।।
हातु हेलता चि सुपुकिङ	गांव की करील–सी तुम्हारी बाहें
जुड़ि–जुड़ि बिङ किड़।	जैसे दो सांपों की एक जोड़ी।
एकेलानाम जिरि–हिरि।	तुम रुक–रुक कर थिरकती हो।
खाने खाने दुराङ मे मुंडारी	मुण्डारी कवि तुम्हारे गीत गाता है।
झाना–झाना साड़ी चूड़ी।।	तुम्हारी चूड़ियाँ झनझना रही हैं।।

राग – काराम

गाटी बुरु लातार......

गाटी बिरू लातार आरांड़ा इकिर
आरांड़ा इकिरेर किचिरिम नुरा।
बान्देगाओ होरातेदो बाण्डि जोला
बाण्डि जोला तेदोम दाउड़ि निरा।।

जितिआतादा चिको जातारा तादा?
आरांड़ा इकिरेरे किचिरिम नुरा।
इंदि तादा चिको कारास तादा
बाण्डि जोला तेदोम दाउड़ि निरा?

जितिआओ कागे बोले जाताराओ काग
नुरा मेनेगेहो किचिरिञ नुरा।
इन्दिओ कागे बोले कारामो कागे
दाउड़ि मेनेगेहोञ दाउड़ि निरा।।

''चूना पहाड़'' के नीचे

'चूना पहाड़' के नीचे हिरणी प्रपात
तुम हिरणी प्रपात में कपड़ा फोंचती हो।
बन्दगाँव के रास्ते में तीखी घाटी
तुम तीखी घाटी दौड़कर चढ़ती हो।।

क्या जितिआ या जतरा का त्योहार है?
तुम हिरणी प्रपात में कपड़ा फींचती हो ?
क्या इंद या करम का पर्व है?
कि तुम तीखी घाटी दौड़कर चढ़ती हो?

जितिया भी नहीं, जतरा भी नहीं
फींचना है इसलिए फींचती हूँ।
इंद भी नहीं, करम भी नहीं
चढ़ना है इसलिए दौड़कर चढ़ती हूँ।।

राग — जादुर

बालेः बालः रगोञ.........	मैंने तुम्हें बचपन में ......
बालेः–बालेः रेगोञ लेलेलेद मेआ	मैंने तुम्हें बचपन में देखा था
सुकान बुरु लेकाम सालांगिजाना।	तुम सुकान पहाड़ की तरह ऊँची हो गई।
लिंडुंङ–लिंडुंङ रेगोञ चिनालेद मेआ	मैंने तुम्हें छुटपन में देखा था
बुण्डु बान्दा लेकाम इकिरजाना।।	तुम बुंडू बांध की तरह गहरी हो गई।।
लुतुर जापाः बोले चिपुद सुपिद	कान के पीछे मुट्ठी भर जूड़ा
कादाल खान्दि लेका माराङ जाना।	केले की खांदी–सा बड़ा हो गया।
मुकुड़ि गोरे बोले गाजि किचिर	घुटने पर का गज्जी कपड़ा
रांगा पाड़िआरे बादालाजाना।।	लाल पाड़िया में बदल गया।।
हाटिआ दुड़ा इनुङ चाबाजाना	हटिया की धूल में खेलना बंद हो गया
लिटिः–लोपोङ साराम दुपिलताना।	धूलधूसरित तुम खाद लिए जा रही हो।
हेबेन–हातारेन होकाजाना	गोदी में खेलना समाप्त हो गया
दानाङेनताना बोलेम हेपादेनताना।।	तुम छिप रही हो, दुबक रही हो।।
सिदाको मेतामेआ बोगान टायाद	लोग बोलते थे, वह भूत वाली जगह है
बोंगान टायादेरेम हेगे साकाम	तुम उसी भूत वाली जगह पत्ती तोड़ती हो।
जाओको काजिआमा चाण्डिआन टायाद	लोग बोलते थे वह चण्डी की जगह है
चाण्डिआन टायादेरम पिति चारिः।।	तुम चण्डी की जगह तित्ली चीरती हो।।

राग – जादुर

चेचाः चातोम ताञ

चेचाः चातोम ताञ
आंचोड़ों तारा ताञ
लुम तेम लुमोः गेआ।
कारे, कारे, मान्दोड़ि
जुरे, जुरे, मान्दोड़ि।।

सोआन सेनोःजान
जानुम सारेगाकान
टोः तेम टोगोः गेआ।
कारे, कारे, मान्दोड़ि
जुरे, जुरे, मान्दोड़ि।।

को जाएः कुलिञ रे
कोमुसिङ कुमु रे
साबतेम साबोः गेआ।
कारे, कारे, मान्दोड़ि
जुरे, जुरे, मान्दोड़ि।।

ताइनाञ गुयु रे
सिदा साकोम रे
तोल तेम तोलोः गेआ।
कारे, कारे, मान्दोड़ि
जुरे, जुरे, मान्दोड़ि।।

मेरा छाता फटा हुआ

मेरा छाता फटा हुआ
मेरा आँचल आधा सा
तुम निश्चय ही भीग जाओगे।
नहीं, नहीं, हे मांदर वाले
जाओ, जाओ, हे मांदर वाले !!

इस फूल में गंध नहीं
सिर्फ काँटे ही बचे हैं
तुम्हें ये चुभ जाएंगे।
नहीं, नहीं, हे मांदर वाले
जाओ, जाओ, हे मांदर वाले !!

अगर 'वह' पूछे
किसी दिन सपने में
तुम निश्चय ही पकड़े जाओगे।
नहीं, नहीं, हे मांदर वाले
जाओ, जाओ, हे मांदर वाले !!

मैं अपनी झोपड़ी में ही रहूंगी
'प्रथम कंगन' के घेरे में
तुम निश्चय ही बंध जाओगे।
नहीं, नहीं, हे मांदर वाले
जाओ, जाओ, है मांदर वाले !!

राग — काराम

ने सोआन सुनुमते

ने सोआन सुनुमते दिसुम ताञाः एकेलाओः
ने इलि रासिते काटा ताञाः छान्दिओः
बा चेतान बाते आलो चिरेम तेनिञा।
आलो रे आलो रेम एलाञा।
समुंदर तालाते, जलाकार आतोमते
आलो रे आलो रेम एलाञा।
आलो रे, आलो रेम दोलाञा।।

आत हासा सुगाड़ा जी ताञाः तोलाकान
जाओ सुसुन आकाडा ईम ताञाः नदाकान
ने मुगुइः लान्दाते आलो चिरेम रेगिञाः।
आलो रे आलो रेम एलाञा।
समुंदर तालाते, जलाकार आतोमते
आलो रे, आलो रेम एलाञा।
आलो रे, आलो रेम दोलाञा।।

एएआ बुरु पारोमरे इदो ओकोए रागिञा
गेल जोला दानाड़ रे इदो चिमाए केड़ाञा
ने लुमाम सुतामते आलो चिरेम तोलिञा।
आलो रे, आलो रेम एलाञा।
समुंदर तालाते, जलाकार आतोमते
आले रे आलो रेम एलाञा।
आलो रे, आलो रम दोलाञा !!

इस सुगधित तल से

इस सुगंधित तेल से मेरी दुनिया हिलती है।
इस इलि के रस से मेरे पैर बधते ह
फूलों पर, फूल से मुझे मत दबाओ।
प्रिय, मुझे मत बुलाओ, मत बुलाआ।
समुन्दर के बीच, जलाकार के किनार
प्रिय, मुझे मत बुलाओ, मत बुलाओ।
प्रिय, मुझे मत ले चलो, मत ले चलो।।

सुंदर हमारी धरती माटी, मेरा मन वहाँ बंधा ह
हमारा पुराना अखरा, मेरा हृदय वहाँ रमा है
इस मुस्की हँसी से वह सब न लूटो।
प्रिय, मुझे मत बुलाओ, मत बुलाओ।
समुन्दर के बीच, जलाकार के किनारे
प्रिय, मुझे मत बुलाओ, मत बुलाओ।
प्रिय, मुझे मत ले चलो, मत ले चलो।।

सात पर्वत पार पता नहीं कौन बुलाता है
इन पहाड़ियों के पीछे पता नहीं कौन हांकता है
इस रेशमी धागे से तुम मुझे न बाँधा।
प्रिय, मुझे मत बुलाओ, मत बुलाओ।
समुन्दर के बीच, जलाकार के किनारे
प्रिय, मुझे मत बुलाओ, मत बुलाओ।
प्रिय, मुझे मत ले चलो, मत ले चलो।।

राग – नावा

'कोहोनाङ बाइओः रेदो

'कोहोनाङ बाइओः रेदो
बोंगाञ बाइनजान
आहो बोंगाञ बाइनजान।
निदा सिंगि आमगेञ ओतोंजान।
आहो निदा सिंगि आमगेञ ओतोंजान।
आमाः उम्बुलगेञ पिचा जान।
उम्बुल गेञ पिचाजान !!

'कोहोनाङ बाइओः रेदोञ
जोनोम रुड़ान जान
आहोञ जोनोम रुड़ान जान।
बिङ लेकाञ उरि रुड़ान जान
आहो, बिङ लेकाञ उरि रुड़ान जान।
आम नांगेनेञ नावा रुड़ान जान
आञदोञ नावा रूड़ान जान !!

'कोहोनाङ बाइओः रेदो
जीगेञ जिमाम जान
आहो, जीगेञ जिमाम जान।
आमलोःतेञ निरे आदेन जान
आहो, आमलोःतेञ निरे आदेन जान।
हाटिआरेञ कामिनाला जान
आञदोञ कामिनालाजान !!

काश, यह संभव होता

काश, यह संभव होता !
मैं प्रेत बन जाता,
प्रिय, मैं प्रेत बन जाता !
दिन–रात तुम्हारे पीछे पड़ता।
प्रिय, दिन–रात तुम्हारे पीछे पड़ता।
तुम्हारी छाया का पीछा करता।
तुम्हारी छाया का पीछा करता !!

काश, यह संभव होता !
मैं फिर से जन्म लेता,
प्रिय, फिर से जन्म लेता।
साँप की तरह केचुल बदलता,
प्रिय, साँप की तरह केचुल बदलता।
तुम्हारे लिए नया रुप लेता।
मैं नया रूप लेता !!

काश, यह संभव होता !
अपना जीवन तुम्हें सौंप देता।
प्रिय, अपना जीवन तुम्हें सौंप देता।
तुम्हारे साथ भाग कर खो जाता,
प्रिय, तुम्हारे साथ भाग कर खो जाता।
मैं हटिया कारखाने में मजदूरी करता।
हटिया कारखाने में मजदूरी करता !!

राग – काराम

आम लेका गुरिःञ गिड़ि

आम लेका गुरिःञ गिडि,
आम लेका कामिञ दाड़ि।
आमलोःते आञोञ सुसुना।
दाइगो, ओ, ओ दाइगो
आमलेका सुपिदताञ मे
आमलेका पाएलाताञ मे।।

आम जापाः ताइकोःआते
आमलेका बाइकोःआते,
आमलोःते आञोञ जामाना।
दाइगो, ओ, ओ दाइगो
आमलेका सुपिदताञ मे।
आमलेका पाएलाताञ मे।।

सोंजोकोम सुकुजान रे
सोंजोकोम बापाइजान रे
आमलोःते आञदोञ हिरुमना।
दाइगो, ओ, ओ दाइगो
आमलेका सुपिदताञ मे
आमलेका पाएलाताञ मे।।

तुम्हारी ही तरह मैं ....

तुम्हारी ही तरह मैं गोबर फेंकती हूँ,
तुम्हारी ही तरह मैं काम करती हूँ।
तुम्हारी ही तरह मैं भी नाचूँगी।
दीदी, हे दीदी,
तुम्हारी तरह मेरा जूड़ा बांध दो।
तुम्हारी ही तरह मेरा आँचल संवार दो।।

तुम्हारे पास रहकर,
तुम्हारी ही तरह बनकर,
तुम्हारी संगति में रहूँगी।
दीदी, हे दीदी,
तुम्हारी तरह मेरा जूड़ा बांध दो।
तुम्हारी ही तरह मेरा आँचल संवार दो।।

संयोग से अगर तुम्हें अच्छा लगे।
संयोग से अगर तुम्हें मंजूर हो।
तुम्हारे साथ मैं सौतन बनकर रहूँगी।
दीदी, हे दीदी,
तुम्हारी तरह मेरा जूड़ा बांध दो।
तुम्हारी ही तरह मेरा आँचल संवार दो।।

राग – काराम

आले हातुम तेबागे लोः

आले हातुम तेबागे लोः
आले राचाम चापादे लोः
आएः तेगे, आएः तेगे
बा रुआड़ाजान
हातु ताला एदेल ।।

आम सेने होयोतेगे
आम लान्दाए लोलोतेगे
मांड़ितेगे, मांड़ितेगे
जो रुआड़ाजान
बिरे ताला मेरेल।।

सिदा सानाङ एओने जान,
तायोम उडुः उपारे जान।
हापेतेगे, हापेतेगे
जुले रुआड़ाजान
जी ताला सेंगेल।।

हमारे गाँव में तुम्हारे.....

हमारे गाँव में तुम्हारे आते ही
हमारे आंगन में पैर पड़ते ही
अपने आप, अपने आप
फिर से पुष्पित हुआ
गाँव बीच का सेमल।।

तुम्हारे चलने की हवा से
तुम्हारी हँसी की ऊष्मा से
धीरे से, धीरे से
फिर से फलित हुआ
वन बीच आमल।।

पहले की चाहत जाग उठी
पिछली आकांक्षा ऊपर आई।
चुपचाप, चुपचाप
फिर से सुलग उठी
मन बीच आगन।।

राग – नावा

बा लेका मुआंड़ा

बा लेका मुआंड़ा
तेतेःलेका सुगाड़ा।
आञाः जी आतोमरे
बोंगा लेकाम हिजुःलेन।।

ओकोए काजिते
चिमाए कुदुमते?
आञाः निदा दुङुमरे
कुमु लेकाम सेटेर लेन।।

दाड़ा लेकाम रुकुकिःञ
जो लेकाम कोटा किःञ।
आटा—माटा बिरे रे
राम्पि लेकाम राकाबलेन।।

बान्दा लेकाम हेलो किःञ
डोबालेकाम पोण्डेकिःञ
जालाकार इकिर रे
आएरा लेकाम उपार लेन।।

फ ्ल—सा चेहरा

फूल सा चेहरा
चाँदनी—सा सौन्दर्य।
मेरे मन के किनारे
तुम देवता की तरह आए।।

किसकी बात पर
किसके कहने पर?
रात को मेरी नींद में
तुम सपने की तरह पहुंचे।।

डाल की तरह हिलाया
फल की तरह झकझोरा।
सघन वन के बीच
तुम आंधी की तरह आए।।

बांध की तरह मथा
डोभा की तरह खीदर किया
गहरे जलाकार में
तुम आएरा की तरह ऊपर आए।।

राग — नावा

बार पुड़ुःम तिलादिञ

बार पुड़ुःम तिलादिञ
आहो आहोम बुलेकिञ।
आनु किःञाम
रानु चि इलि।।

आहोम काटा दुड़ाकिःञ
चिहोम रानु दागेकिःञ।
काबु किःञाम।
बान्दु चि गुलि।।

काटा का चाण्डाङोः
होरा खाने कोटोङोः।
तोले किःञाम
गाण्डे चि मुलि।।

गंगा चिम उदुबाःञ
समुन्दर चिम चुण्डुलाःञ।
ओमादिञाम
फांसे चि सुलि।।

मोन काएः मानातिङ
जी काएः बुजातिङ।
आगु किःञाम
जाति चि किलि।।

तुम मुझे दो दोना पिलाया

तुमने मुझे दो दोना पिलाया
प्रिय, तुमने मुझे बेहोश कर दिया।
तुमने मुझे पिलाई
कोई दवा या इलि।।

कोई जादू किया
या कोई ओझाई की।
मुझे काबू किया।
वह बन्दूक थी या गोली?

पैर आगे नहीं चलते
राह रुकती है बारंबार।
तुमने मुझे बाँध दिया
आड़ी और तिरछी?

मुझे गंगा में फेंक दिया
मुझे समुद्र में डाल दिया।
तुमने दिलाई
फाँसी या सूली ?

मन नहीं मानता है
जी नहीं समझता है।
तुमने ले ली मेरी
जाति और किलि।।

राग – नावा

एंगाम आपुमेको.........

एंगाम आपुमेको रिम्बिल ओड़ाः
सालु सुगा लेकाम लांदा—जागार
हागाम बारेमेको कोलोम राचा
जालिआ माराः लेकाम सेने बेड़ाए।।

सामाड़ोम लेकागेको जोगाओताद मेआ
ओड़ाः दुआर राटिम सिंगारतादा
गोतोम लेका गेको जोतोनताद मेआ
हाटिआ होरा राटिम मासाकाल तादा।।

आम लेलेल नांगेनेगेः तुरेनताना
सिगि तुरोः मुलि तुरेतान सिंगि
आम चिना नांगेनेगेः मुलुगेनताना
चाण्डुः मुलुः मुलि मुलुःतान चाण्डुः।।

तुम्हारे माँ—बाप.......

तुम्हारे माँ—बाप का आसमान—सा घर
तुम लाल सुग्गा की तरह हँसती हो।
तुम्हारे भाई—बंधुओं का खलिहान—सा आंगन
तुम झबराए मयूर की तरह चलती—फिरती हो।।

तुम्हें सोने की तरह जुगाया गया ह
घर—द्वार तक तुमसे श्रृंगारित है।
तुम्हें धी की तरह संजोया गया है
गाँव—गली तक तुमसे प्रकाशित है।।

तुम्हें देखने को ही उगता है
पूरब में उगता हुआ सूरज।
तुम्हें निहारने को ही निकलता है
पश्चिम में उदीयमान चाँद।।

राग – जादुर

चिमिन–चिमिन बोंगा बुरु कितने–कितनेदेवी–देवता।।

चिमिन चिमिन बोंगा बुरु	कितने–कितने देवी–देवता
चिमिन चिमिन देओंड़ा गुरु	कितने–कितने ओझा–गुरु
आबेन नांगेन।	तुम्हारे लिए।
आञदो जूगु–जूगुञ जुगिकेन	मैं युगों तक जोगी बना
आबेन नांगेन।।	तुम्हारे लिए।।
ने हासा होड़ोमो ताञाः	मिट्टी का यह तन मेरा
हुड़िङ लेकान जी ताञाः	छोटा–सा जी मेरा
आबेन नांगेन।	तुम्हारे लिए।
आञदो जूगु–जूगुञ जांगिकेन	मैंने युगों तक जुगाकर रखा
आबेन नांगेन।।	तुम्हारे लिए।।
नाःदो जीदान ताइन सुमुङ	अबतो जबतक जीवन है
नेरेगेबु कामि इनुङ	हम साथ काम करेंगे, खेलेंगे
आबेन नांगेन	तुम्हारे लिए
आञदो जूगु–जूगुञ तांगिकेन	मैंने युगों तक राह देखी
आबेन नांगेन।।	तुम्हारे लिए।।

राग – काराम

ओकोए काजिते

ओकोए काजिते
जीगेम आटेदाःञा ?
दुकु चेतान दुकुरेम
हिरा काते किःञा।।

लागा सुपुरे
पेड़ेःम तोलादिञा।
एकेलातान डोंगारेम
तिंगु गोड़ोम किःञा।।

नुबाः तालारे
होराम ओमादिःञा।
होयो–आरिल गामारेम
तेला दारोम किःञा।।

किसके कहने पर

किसके कहने पर
तुमने प्राण न्योछावर किए?
दुख पर दुख आने पर
बार–बार मेरी खबर ली।।

मेरी थकी बाँहों पर
तुमने शक्ति बांधी।
हिलती नाव पर
तुम साथ खड़े रहे।।

अंधेरी रातों के बीच
तुमने मुझे रास्ता दिखाया।
हवा–ओला वर्षा में
तुमने मुझे सहारा दिया।।

राग – नावा

जूगु–जूगु जूगुइबेन

जूगु–जूगु जूगुइबेन
जुड़िओःतानाबेन तिसिङ।
जूगु जूगु जूगुइबेन।।

आङेबेन मारसालेबेन
चिल्का चि सिंगि चाण्डुःकिङ।
मुलुगोःतानाबेन तिसिङ।
जूगु–जूगु जूगुइबेन
जुड़िओःतानाबेन तिसिङ।
जूगु–जूगु जूगुइबेन।।

हागा–जाति तालारे
कुपुल–गंगा तालारे
उदुबोः तानाबेन तिसिङ।
जूगु–जूगु जूगुइबेन
जुड़िओःतानाबेन तिसिङ।
जूगु–जूगु जूगुइबे़न।।

सेंगेल बोंगा सामाङ रे
उलि साकाम सामाङ रे
साकिओःतानाबेन तिसिङ।
जूगु–जूगु जूगुइबेन
जुड़िओःतानाबेन तिसिङ।
जूगु–जूगु जूगुइबेन।।

युग–युग जीआ तुम

युग–युग जीओ तुम
जोड़े जा रहे हो आज तुम
युग–युग जीओ तुम।।

आलोकित करो, ज्योतित करो
सूरज चाँद की तरह।
उदित हो रहे हो आज तुम।
युग–युग तक जीओ तुम
जोड़े जा रहे हो आज तुम
युग–युग जीओ तुम।।

भाई–बिरादर के बीच
कुटुम्ब–बंधुओं के बीच
इंगित किए जा रहे हो तुम।
युग–युग तक जीओ तुम
जोड़े जा रहे हो आज तुम।
युग–युग जीओ तुम।।

अग्नि देव के सामने
आम्र पत्र के सामने
साक्षात किए जा रहे हो तुम।
युग–युग तक जीओ तुम।
जोड़े जा रहे हो आज तुम
युग–युग जीओ तुम।।

राग – नावा

एला हो होञ आबुङलेमा

एला होञ आबुङलेमा मेददाःत
एला होञ गोसोःलेमा आचोंड़ोंते।
एला होञ चिनालेमा नाड़ेगाते
एला होञ जागार लेमा होपोराते।
आम तांगि–तांगि आञदोञ एआनाकान
आम हिजुः होरा रेञ तिंगुआकान
आम हिजुः होरा रेञ तिंगुआकान।।

दुलाड़ाञ गातिलेमा तारान रे
चोः लेमा सुगाड़ा मिरू मोचारे।
साबलेमा, हांबुदलेमा एसेकाररे
दुब लेमा जी बितार कुड़ाम रे।
आम नांगेनगे आञदोञ जीदाकान
आम हिजुः होरा रेञ तिंगुआकान
आम हिजुः होरा रेञ तिंगुआकान।।

आओ धोऊँ तुम्हारे चरण

प्रिय, आओ धोऊँ तुम्हारे चरण आंसुओं से,
प्रिय, आओ पोछूँ तुम्हें अपने आँचल से।
प्रिय, आओ पहचानूँ तुम्हें नजदीक से
प्रिय, आओ बतिआऊँ तुमसे पास से।
जगा हूँ तुम्हारे लिए प्रतीक्षा में।
खड़ा हूँ तुम्हारे आने के रास्ते में।
खड़ा हूँ तुम्हारे आने के रास्ते में।।

प्रिय, आओ तुम्हें गले लगा लूँ
तुम्हारे सुग्गा–मुख पर चूम लूँ।
भर लूँ बाहों में, एकान्त में
बैठा लूँ छाती बीच अंतर में।
जीता हूँ तुम्हारे लिए प्रतीक्षा में।
खड़ा हूँ तुम्हारे आने के रास्ते में।
खड़ा हूँ तुम्हारे आने के रास्ते में।।

राग – नावा

कागेञ जीलाः दाड़ि ओड़ोः

कागेञ जीलाः दाडि ओड़ोः
जीरे रानाचा· दो।
कागेञ सातिङ दाड़ि ओड़ोः
ईमरे केनेचाः दो।
इदिञ में हो, इदिञ मे
दुकु–सुकु आतोम ते।
इदिञमेहो, इदिञ मे
आपे हातु–दिसुमते।
इदिञमेहो, इदिञ मे।।

दानाङोः काञ नाजोम मेदाते
आमाः सुनुपिद लातार रे।
चातोमोःकाञ मुदाइ जीआते
आमाः आचोंड़ो आतोमरे।
इदिञमे हो, इदिञ मे
एएआ बुरू पारोमते।
इदिञ मे हो, इदिञ मे
आपे हातु दिसुमते।
इदिञ मेहो, इदिञ मे।।

जी–बालाए बादालाते दो
जी सोबेनेञ जिमामे।
कुड़ाम–सेंगेल बादालातेदो
कुड़ाम राटिञ ओमामे।
इदिञमे हो, इदिञ मे।
बेगर सोना मुंदामते।
इदिञमे हो, इदिञ मे
आपे हातु–दिसुमते।
इदिञमे हो, इदिञ मे।।

और नहीं सह सकता

और नहीं सह सकता
मन का यह तनाव।
और अब सहा नहीं जाता
हृदय का यह कटाव ।।
ले चलो, प्रिय, ले चलो
दुख–सुख के उस पार।
ले चलो, प्रिय, ले चलो।
अपने गाँव, अपने देश।
ले चलो, प्रिय, ले चलो।।

छिपूँ मैं बुरी नजर से
तुम्हारे जूड़े के नीचे।
बचूँ मैं मुदई के कुमन से
तुम्हारे आँचल के किनारे।
ले चलो, प्रिय, ले चलो
सात पहाड़ों के उस पार।
ले चलो, प्रिय, ले चलो
अपने गाँव, अपने देश।
ले चलो, प्रिय, ले चलो ।।

मन के दुःख के बदले
सारा जीवन तुम्हारे जिम्मे करूँगा।
छाती की आग के बदले
मैं पूरी छाती तुम्हें सौंप दूंगा।
ले चलो, प्रिय, ले चलो
बिना सोने की अंगूठी के।
ले चलो, प्रिय, ले चलो
अपने गाँव, अपने देश।
ले चलो, प्रिय, ले चलो।।

राग – नावा

ओको बोंगा काजि केदते

किस देवता के कहने पर

ओको बोंगा काजि केदते
उडु केदाम, हिजुः लेनाम ने बुसुः गुयुते।
आहो जालाकार लेकाम उतुम्बाजाना
आञागाः ने गाड़ाहोन रे।
ताइकोः मेताञ सुगाड़ा रे।
आहोम हिआकान चिमिन सिरिमारे।
ताइकोःमेताञ सुगाड़ा रे।।

रानुगेहोञ रानुजाना
इलि बुलेञ बुलेजाना, जी हो नाबजान।
आहो आसादिगेकाएः आसादिताना
चिकाजान जी होड़ोमोरे।
ताइकोःमेताञ सुगाड़ा रे।
आहोम हिआकान चिमिन सिरिमारे।
ताइकोः मेताञ सुगाड़ा रे।।

बा चेतान उरु लेका
बुरू सोंगा होयो लेका, आरिले दाः लेका।
आहो, आएरा लेकाम हेलो कल केदा
आञागा जी इकिरेरे।
ताइकोःमेताञ सुगाड़ा रे।
आहोम हिआकान चिमिन सिरिमारे।
ताइकोःमेताञ सुगाड़ा रे।।

गापाआते ताम राजगदि
आमाः ओते, आमाः दिसुम, आमाः सोनाचांदी।
आहो, तिसिङे सुमुङ जीलाः लेमे
आङकोःम ने सिसिरेरे।
ताइकोःमेताञ सुगाड़ा रे।
आहोम हिआकान चिमिन सिरिमारे।
ताइकोःमेताञ सुगाड़ा रे।।

तुम किस देवता के कहने पर
तुमने सोचा और इस फूस की झोपड़ी मेंआए।
प्रिय, तुम समुद्री ढेउ की तरह उफन आए
मेरी छोटी नदी में।
प्रिय, तुम ठहर जाओ।
कितने वर्षों बाद आए हो।
प्रिय, तुम ठहर जाओ।।

मुझपर दवा–सा असर हो गया है
इलि का नशा मन में छा गया है।
प्रिय, जी भर नहीं रहा
पता नहीं, मन–प्राण में क्या हो गया।
प्रिय, तुम ठहर जाओ।
कितने वर्षों बाद आए हो।
प्रिय, तुम ठहर जाओ।।

फूल पर भौंरे की तरह
घाटी की हवा, ठंडे पानी की तरह।
प्रिय, तुमने आयरा मछली की तरह हिलकोरे उठाए
हमारे मन–जलाशय में।
प्रिय, तुम ठहर जाओ।
कितने वर्षों बाद आए हो।
प्रिय, तुम ठहर जाओ।।

कल से तुम्हारी राजगद्दी
तुम्हारी धरती–दुनिया, तुम्हारा सोना–चांदी।
प्रिय, आज भर सह लो
इस शिशिर में रात बिताओ।
प्रिय, तुम ठहर जाओ।
कितने वर्षों बाद आए हो।
प्रिय, तुम ठहर जाओ।

राग – हाम्बाल काराम

ओटाङतान साकाम लेका

ओटाङेतान साकाम लेका
गाड़ा आतु जाटा लेका
गाड़ा आतु जाटा लेका
टेकाद जानाञ उयुःजानाञ
आमाः रिम्बिल राचारे।
तेला लेमे जोआर ताञाः
ने होरा तुनुड़ामरे।।

उडुः बोलो जानाञ इसु
जोगाओ केदाम ने बुसुः
जोगाओ केदाम ने बुसुः।
दुड़ा केदाञ, दुम्बु केदाञ
आमाः सोना थाड़ा रे।
तेला लेमे जोआर ताञाः
ने होरा तुनुड़ामरे।।

होरा ताञाः जिलिङ गेआ
दिरि बुरू जोला गेआ।
दिरि बुरू जोला गेआ।
कोरेञ आड़ोः, कोरेञ तुरोः
इदो ओको चान्दाए रे।
तेला लेमे जोआर ताञाः
ने होरा तुनुड़ामरे।।

नेआ रिंड़िम सोडेजादा
आलोम रिड़िडे तागादा
आलोम रिड़िडे तागादा।
ओमामे चि काएः ओमामे
कुलि कातिमे मुण्डारी।
तेला लेमे जोआर ताञाः
ने होरा तुनुड़ामरे।।

उड़ते हुए पत्ते की तरह

उड़ते हुए पत्ते की तरह
नदी में बहती हुई टहनी की तरह
नदी में बहती हुइ टहनी की तरह
मैं टिक गया, टपक पड़ा
तुम्हारे आसमान–आंगन पर।
मेरी विदाई स्वीकारो
इस बीच चौराहे पर।।

मैं आया–गया कई बार
तुमने इस पुआल की रखवाली की
इस पुआल की रखवाली की.
मैंने गंदा किया, मैला किया
तुम्हारी सोने की थाली पर.
मेरी विदाई स्वीकारो
इस बीच चौराहे पर।।

मेरा रास्ता बहुत लंबा है
पत्थर–पहाड़ घाटियों भरा।
पत्थर–पहाड़ घाटियों भरा।
कहाँ सुबह होगी, शाम होगी
पता नहीं किस छाँह पर।
मेरी विदाई स्वीकारो
इस बीच चौराहे पर।।

यह ऋण तुम नाप रहे हो
इसकी याद दिलाना न भूलना
याद दिलाना न भूलना।
वापस दे सकेगा या नहीं दे सकेगा
पूछते रहना इस मुण्डा को।
मेरी विदाई स्वीकारो
इस बीच चौराहे पर।।

राग — काराम

रेएद रानु को रिदे लेका

रेएद–रानु को रिद लेका,
सेर मेड़ेद को मिदे लेका,
रिदे किञाम, मिदे किञाम।
लेआगेञ लेआजान।
आमरे ने जी जामागे जामाजान।
आमरे ने जी जामागे जामाजान।।

लिजाः किचिरि को नेदे लेका
लुम हासाको जोदे लेका
नेदे किञाम, जोदे किञाम
रांगागेञजान रांगाजान।
आमरे ने जी जामागे जामाजान।
आमरे ने जी जामागे जामाजान।।

जो जारोमको गोदेलेका
जान आडाःको सिदे लेका
गोदे किञाम, सिदे किञाम
सालागेञ सालाजान।
आमरे ने जी जामागे जामाजान।
आमरे ने जी जामागे जामाजान।।

जड़ी–बूटी पीसने की तरह

जड़ी–बूटी पीसने की तरह
गर्म लोहा गलाने की तरह
तुमने मुझे पीस डाला, मिला डाला।
मैं घुल ही गया।
तुममें यह मन मिल ही गया।
तुममें यह मन मिल ही गया।।

कपड़ा रंगने की तरह
मिट्टी लीपने की तरह
तुमने मुझे लीप दिया, पोत दिया।
तुम्हारे रंग में रंग ही गया।
तुममें यह मन मिल ही गया।
तुममें यह मन मिल ही गया।।

कोई फल तोड़ने की तरह
कोई साग टूंगने की तरह
तुमने मुझे तोड़ लिया, टूंग लिया।
मैं छिनग ही गया।
तुममें यह मन मिल ही गया।
तुममें यह मन मिल ही गया।।

राग – नावा

होयो लेकाम हिजुः लेना

होयो लेकाम हिजुः लेना
बा लेकाम सोआनजाना।
बिरे दारू आमगेको तांगिकेना।
आलोम सेनोः सेनोः
नेरेगेबु दुबे–दुराङा।
आलोम सेनोः सेनोः।।

दारू गाण्डु सामाङोमजान
बुसुः गुयु कापाटाजान।
न काटा खाने आबुङे सानाङा।
आलोम सेनाः सेनोः
नेरेगेबु खेला–कारामा।
आलोम सेनोः सेनोः।।

ताइरिकाम रूपा चातोम
ताइकोः काएः सोना सादोम।
मुसिङराटि काम आङे नामाकाना।
आलोम सेनाः सेनोः
नेरेगेबु रुतु–बानाम
आलोम सेनोः सेनोः।।

चाटु–बिण्डा बाइ तुकाम
तुकु–डिंकि मुलि तुकाम।
चिते–चिते चिमिने रेम हिजुगाकाना।
आलोम सेनाः सेनोः
नेरेगेबु कामि–उदामा।
आलोम सेनोः सेनोः।।

तुम हवा की तरह आए

तुम हवा की तरह आए
फूल की तरह सुगंधित हुए।
वन के वृक्ष तुम्हारी ही प्रतोक्षा में थे।
तुम अभी वापस न जाओ, न जाओ।
हम यहीं बैठ गीत गाएँगे।
तुम वापस न जाओ, न जाओ।

लकड़ी का पीढ़ा सोना बन गया
फूस की झोपड़ी पत्थर की हो गई।
तुम्हारे पैरों का स्पर्श बारबार करने का मन करता है।
तुम अभी वापस न जाओ।
हम यहीं नाच–खेल करेंगे।
तुम अभी वापस न जाओ, न जाओ।

रहने दो चाँदी का छाता
रहने दो सोने का घोड़ा।
अभी तो एक रात भी नहीं बीती।
तुम वापस न जाओ, न जाओ
हम सहीं बाँसुरी–बानाम बजाएँगे।
तुम अभी न जाओ न जाओ, न जाओ।

तुम घड़े का न्योठा बनाकर जाना
तुम मूसल–ढेंकी ठीक करके जाना।
कैसे–कैसे तुम बहुत दिनों पर आए हो
तुम अभी वापस न जाओ, न जाओ
हम यहीं साथ कमा–खाएंगे।
जा तुम अभी वापस न जाओ, न जाओ।

राग – काराम

दिसुम दिसुम होञ दाड़ा केन   मैं देश देश खोजता फिरा

<table>
<tr><td>दिसुम दिसुम होञ दाड़ाँकेन
कोंकालेना।
आपे राचा दुआरते होञ
रूड़ालेना।
आहोञ रूड़ालेना ।।</td><td>मैं देश–देश खोजता फिरा
मैं पागल हो गया था।
मैं तुम्हारे घर–आंगन पर
वापस आ गया।
प्रिय, मैं वापस आ गया।।</td></tr>
<tr><td>होरा सेन–सेन तेञ बालाएलेन
लागालेना।
आपे दारू सुबाते होञ
रूड़ालेना।
आहोञ रूड़ालेना।।</td><td>चलते–चलते मैं व्यथित था
मैं थक गया था।
तुम्हारे पेड़ छाया तले
मैं वापस आ गया।
प्रिय, मैं वापस आ गया।</td></tr>
<tr><td>रेंगेः–तेताङ तेञ चोटोञ लेन
ठारालेना।
आपे सेतोम आतोमते होञ
रूड़ालेना।
आहोञ रूड़ालेना।।</td><td>भूख और प्यास का मारा
मैं सूख गया था।
तुम्हारे झरने के किनारे
मैं वापस आ गया।।
प्रिय, मैं वापस आ गया।।</td></tr>
<tr><td>आञदो दासिगे सिदारेन
निरेलेना।
आपे काटा सुबातेहोञ
रूड़ालेना।
आहोञ रूड़ालेना।।</td><td>मैं तो पहले ही का सेवक
जो भाग गया था।
तुम्हारे पैरों के पास
मैं वापस आ गया।
प्रिय, मैं वापस आ गया।।</td></tr>
</table>

राग – काराम

कुपुल काको सुकुजान

कुपुल काको सुकुजान
हागा तात्र को हांड़ाजान।
आम नांगेन जाति बागेजान;
दिसुम राटि देआ कुंडाम जान।।

निमिन माराङ जालाकार
डोंगा तात्र दो एसेकार।
आम रेगे जीदो जापाः जान;
दिसुम राटि देआ कुंडामजान।।

आलो गेहोम बोगेञा
आलो गेहोम राड़ाञा।
आमरेगे जोतो जिमाजान
दिसुम राटि देआ कुंडामजान।।

कुटुंब नाखुश हो गए

हमारे कुटुंब नाखुश हो गए
हमारे बंधु नाराज हो गए।
तुम्हारे लिए जाति छूट गई
अपना देश तक छूट गया।।

इतना बड़ा जलाकार
और मेरी नाव अकेली।
मेरा जी तुम्हीं में जा लगा
अपना देश तक छूट गया।।

प्रिय, तुम मुझे छोड़ न देना
प्रिय, तुम मुझे अलग न करना।
अपना सब कुछ तुम्हीं को दिया।
अपना देश तक छूट गया।।

राग – काराम

चिमिनेम कामिआ.........	कब तक काम करोगे.......
चिमिनेम कामिआ कुरुल–कुरुल?	अब तक काम करोगे खून सुखाते हुए?
चिमिनेम उदामा गेरोल–मेरोल?	कबतक उधम करोगे पसीना बहाते हुए?
कुरुल–कुरुल, गेरोल–मेरोल।	खून सुखाते हुए, पसीना बहाते हुए।
मिद बिता लाइःदो कागे पेरेगोः।	बित्ता भर पेट भरता नहीं –
दोलाङ सेनोगा आसाम दिसुमते	चलो, हम चलें आसाम देश को।
सुगाड़ा, दोलाङ बिरिदा बोटाङ गामाएते।।	प्रिय चलो, हम निकलें भूटान धरती को !!
आसाम दिसुम रे चाउलि गेलेतान।	आसाम देश में चावल की बालियाँ होती हैं;
बोटाङ गामाए रे टाकागे जोतान।	भुटान की धरती में पैसा फलता है।
चाउलि गेलेतान, टाकागे जोतान।।	चावल की बालियाँ, पैसों का फलना।
राबाल कामिते पोटोम सारेगोः।	हल्के काम से मोरा बचता है –
दोलाङ सेनोगा आसाम दिसुमते	चलो, हम चलें आसाम देश को।
सुगाड़ा, दोलाङ बिरिदा बोटाङ गामाएते।।	प्रिय चलो, हम निकलें भूटान धरती को !!
होनको बुगिलाङ हाराकोआ	बच्चों को अच्छी तरह पालेंगे
गांड़ाको नापाएलाङ माताकोआ।	संतान को ठीक से देख भालेंगे।
हाराकोआ, माताकोआ।	पालन करेंगे, देखभाल करेंगे
रेंगेःते होड़ोएःतान जीवि राड़ेगोः।	भूख से खौलता जीव तभी शान्त होगा –
दोलाङ सेनोगा आसाम दिसुमते	चलो, हम चलें आसाम देश को !
सुगाड़ा, दोलाङ बिरिदा बोटाङ गामाएते।।	प्रिय चलो, हम निकलें भूटान धरती को !!

राग – काराम

हिजुः लेनाएः ओड़ाःते

हिजुः लेनाएः ओड़ाःते
आदलेन चुइ बिराते।
रूड़ालेना हो।
एंगा तोआ सुगाड़ाञ
रूड़ा लेना हो।।

बानोः उपुन कोनारे
नेकान दिसुम जेतारे।
रूड़ा लेना हो
सिदा गामाए दुलाड़ाञ
रूड़ालेना हो।।

चिमिन सिरमा सेनोःजान
इसु दुकुतेञ पारोमान।
रूड़ालेना हो
रूतु–बानाम सुआंड़ाञ
रूड़ालेना हो।।

आपे चिहो रानु लिःञ
आपे चिहो बुले लिःञ?
रूड़ा लेना हो
जाओ सुसुन आकाड़ाञ
रूड़ा लेना हो।।

घर वापस आ गया

घर वापस आ गया।
खोया हुआ बछड़ा जंगल से।
वापस आ गया।
अपनी माँ के दूध के लिए मैं
वापस आ गया।।

नहीं है चारों कोने में
ऐसा देश कहीं।
वापस आ गया
अपनी पहलो धरती में
मैं वापस आ गया।।

बीते कितने वर्ष
मैंने बड़े कष्ट से काटे।
वापस आ गया।
बांसुरी–बानाम की आवाज सुन
मैं वापस आ गया।।

क्या तुम्हीं ने दवा दी थी?
क्या तुम्हीं ने शराब पिलाई थी?
मैं वापस आ गया।
अपने पुराने अखरा में
मैं वापस आ गया।।

राग – काराम

चिलका लारि ओटाङेजान

चिलका लारि ओटाङेजान
पाएला तामा: तिसारेजान।
लेचे कोचे मुगुइ–मुगुइ
कोतेम सेन केदारे ?

निदा चिलका तेते:तारे
आटाल बा ताम सुपिदेरं।
साएतेम लेले मिसाम हेताए
कोतेम सेन केदारे ?

ओको मुलि आमेम सेने
ओंडोरे तान चिमिन मोने।
आन्दु–पोला झामेझाम
कोतेम सेन केदारे ?

आलोम सेने उकु–दानाङ
गुयु लेलेमे सानामाङ।
मुण्डा रामेतादा जानुम
कोतेम सेन केदारे ?

ज्यों बादल उमड़ चल

ज्यों बादल उमड़ चल
तुम्हारा आंचल लहरा उठा।
मस्ती और मुस्कान लिए
तुम कहाँ चल निकली हो ?

जैसे होती चाँदनी रात
तुम्हारे जूड़े में दूधी फूल शोभ रहा।
बगलें झांकती, पीछे देखती
तुम कहाँ चल निकली हो ?

तुम जिधर चलती हो
जाने कितने प्राण जल रहे।
आंदू–पोला की झम--झम आवाज लिए
तुम कहाँ चल निकली हो ?

इस तरह छिपकर चलना ठीक नहीं
देखो सामने झोंपड़ी खड़ी है।
गाँव का मुण्डा काँटा डाले हुए हैं
तुम कहाँ चल निकली हो ?

राग – काराम

रूतु ओकोए ओरोङे

रूतु ओकोए ओरोङे
ओको दिरि टिकुरारे, ओहोरे
जी ताञाः, चिते हुलुइ–हुलुइरे
ने तिरि–रिरि रुतु साड़ि रे।।

हुलु–हुलु होयोरे
चिलका दाः तीते बिसिल लेरे ओहोरे
होका–होका हिञुः सुड़ि–रूड़िरे
ने तिरि–रिरि रूतु साड़िरे।।

मायाङरे गागोरि
तिगु गिडिनजान नागोरो ओहोरे
दुमुरोकाएः टोरे रासि रेगिरे
ने तिरि–रिरि रूतु साड़िरे।।

रूतु ओरोङ होकालेमे
एला हो नेते हेतालेमे ओहोरे
ने मुण्डा जामा जाइमे जुड़िरे
ने तिरि–रिरि रूतु साड़िरे।।

बाँसुरी कौन बजा रहा है

कौन बाँसुरी बजा रहा है ?
किस चट्टान के ऊपर ?
मेरा मन क्यों झूमने लगा है
बांसुरी के इस तिरि–रिरि स्वर में।।

मंद–मंद हवा में
जैसे कि पानी में लहरें उठीं हो
एक हल्की आवाज आ रही है
बांसुरी के इस तिरि–रिरि स्वर में।।

कमर में कलश लिए
युवती चलते–चलते रूक गई
मधुमक्खी को अपना रस लुटने का पता नहीं।
बांसुरी के इस तिरि–रिरि स्वर में।।

बाँसुरी वादन बंद कर लो
हे वादक, जरा इधर नजर फिराओ
इस मुण्डा कवि को भी साथ कर ला
बांसुरी के इस तिरि–रिरि स्वर में।।

राग – काराम

जी रानाड़ा

(मन बिछुड़न)

अनुक्रमणिका

मोलोङ रे सिंदुरि

मोलोङ रे सिंदुरि
ने सासाङ साड़ी।
कुमु रेओ कुड़ाम पुकार।
मेददाः झारे–झार।
रागे रेओ बानोः उबार।
मेददा झारे–झार।।

कोआ होलाङ काजिकेन
कोआ होलाङ कुमुकेन।
साना रेओ बानोः जागार।
मेददाः झारे–झार।
रागे रेओ बानोः उबार।
मेददाः झारे–झार।।

दुड़ातेलाङ दाबेजान
सुकुल रेलाङ सोदेजान
चांगा–चांगाए काटा उसार।
मेददाः झारे–झार।
रागे रेओ बानोः उबार।
मेददाः झारे–झार।।

नुतुमेताञ रिड़ि केमे
मुदामेताञ गिड़िकेमे
लाया–कोया जीताञ उडार।
मेददाः झारे–झार।
रागे रेओ बानोः उबार।
मेददाः झारे–झार।।

माथे पर सिंदूर

माथे पर सिंदूर
यह पीली साड़ी।
सपने में भी छाती करे पुकार।
आंसू झरते हैं झरा–झर।
रोने पर भी नहीं उबार।
आंसू झरते हैं झरा–झर।।

हम क्या कहते थे
हम क्या सपनाते थे।
बात तक संभव नहीं अब तो चाहने पर।
आंसू झरते हैं झरा–झर।
रोने पर भी नहीं उबार।
आंसू झरते हैं झरा–झर।।

हम धूल से दब गए
हम धूवें में अटक गए।
चलते कदम अब पीछर।
आंसू झरते हैं झरा–झर।
रोने पर भी नहीं उबार।
आंसू झरते हैं झरा–झर।।

मेरा नाम अब भूल जाओ
अंगूठी का कर दो विसर्जन।
व्यथित, उड़ता है मन–पवन।
आंसू झरते हैं झरा–झर।
रोने पर भी नहीं उबार।
आंसू झरते हैं झरा–झर।।

राग – काराम

दिआहोम जुण्डिकेन

दिआहोम जुण्डिकेन
चिमिन चाम तांगिकेन।
होकामे नाःदो ने हुनार।
जू हो जू हो मेताम
जू हाण्डेदेमे दुआर।।

उकु–उकु इनुङ
जे होबाजान सुमुङ।
दो केमे जोतो जी बितार।
जू हो जू हो मेताम
जू हाण्डेदेमे दुआर।।

होरा राः दाः लेका
दारु उम्बुल लेका।
बागेताम सेनेमे आयार।
जू हो जू हो मेताम
जू हाण्डेदेमे दुआर।।

उतुड़ुँतान तुका
आलो चाम लेलेका।
देआकेम नेआ दुदुगार।
जू हो जू हो मेताम
जू हाण्डेदेमे दुआर।।

तुमने दीया जलाया था

तुमने दीया जलाया था
कितनी देर तक प्रतीक्षा की।
अब वह सब सोचना बंद कर दो।
जाओ प्रिय, वापस जाओ
जाओ, द्वार बन्द कर लो।।

छिप–छिपकर खेलना
जो हुआ सो हुआ।
वह सब तुम मन में रख लेना।
जाओ प्रिय, वापस जाओ
जाओ, द्वार बन्द कर लो।।

रास्ते के पानी की तरह
पेड़ की छाया की तरह।
वह सब छोड़कर चलते चलो।
जाओ प्रिय, वापस जाओ
जाओ, द्वार बन्द कर लो।।

उजड़ता हुआ घोंसला
तुम देख न पाओ।
इस आंधी को पीठ पीछे छोड़ जाओ।
जाओ प्रिय, वापस जाओ
जाओ, द्वार बन्द कर लो।।

राग – काराम

गाजा बाजा बागांड़ा लोः	**गाजे–बाजे के साथ**
गाजा बाजा बाजांड़ा लोः सेनेकेदाम सुगाड़ा। निमिनाङ–दो उदुबेतुकाम आहोम रूआड़ा चि काहोम रूआड़ा?	गाजे–बाजे के साथ प्रिय, तुम चल पड़े। इतना तो बता जाओ – प्रिय, तुम वापस आओगे या नहीं?
बोंगा लेकाम सिंगारेनजान एला ताञ जी दुलाड़ा। निमिनाङ दो चुण्डले तुकाम आहोम रूआड़ा चि काहोम रूआड़ा?	तुम बोंगा की तरह सजे–संवरे हे मेरे प्राण प्रिय। इतना संकेत तो दे जाओ – प्रिय, तुम वापस आओगे या नहीं?
ने जोनोम मुसिङ नांगेन सेतागाते सिंगाड़ा। एनातेदो कागेलाङ नापाम आहोम रूआड़ा चि काहोम रूआड़ा?	यह जनम सिर्फ एक दिन के लिए सुबह से शाम तक। इसके बाद तो हम नहीं मिल पाएंगे प्रिय, तुम वापस आओगे या नहीं ?
जू होरा आमेः लेलतान बागे तुकाम काटा दुड़ा। एनरेगेञ ओलेआ नुतुम आहोम रूआड़ा चि काहोम रूआड़ा?	जाओ, रास्ता तुम्हारा इंतजार कर रहा है तुम अपनी चरण–धूलि छोड़ जाना। मैं उस पर तुम्हारा नाम लिखूँगा ! प्रिय, तुम वापस आओगे या नहीं ?

राग – काराम

आले हातु आकाड़ा

आले हातु आकाड़ा
जोजो सुबा जुम्बाडा।
सुसुनेको गेओना गेओन।
तांगिमे इसु खोन।
सिसिरेजान पाड़िआ पाचोन।।

बेग़र रासि इलिते
बेगर अरकि–तालिते।
रासिकातेको लेओना लेओन।
तांगिमे इसु खोन।
सिसिरेजान पाड़िआ पाचोन।।

सामागे मुन्दाम
सामागे मान्दोलि।
सामागेञ एओना एओन।
तांगिमे इसु खोन।
सिसिरेजान पाड़िया पाचोन।।

हमारे गाँव का अखरा

हमारे गांव का अखरा
इमली की सधन छाया।
नाचने वाले आनंदित झूम रहे।
हम तुम्हारी राह देखते रहे।
पाड़िया–पिछोरी शिशिर से भींग गए।।

बिना किसी रस या इलि के
बिना किसी अर्क या ताड़ी के।
लोग रीझ से झूम रहे।
हम तुम्हारी राह देखते रहे।
पाड़िया–पिछोरी शिशिर से भींग गए।।

व्यर्थ की अंगूठी
व्यर्थ की मादुली।
हम व्यर्थ ही जागते रहे।
हम तुम्हारी राह देखते रहे।
पाड़िया–पिछोरी शिशिर से भींग गए।।

राग – काराम

माण्डोआको हापेनजाना — मंडप में निःशब्द

माण्डोआको हापेनजाना
नेते गेको लेलताना।
बिधि रेआः ओनोल।
दे हो दे हो राड़ातामे
जी हो कुड़ाम तोनोल।।

मंडप में निःशब्द
लोग इधर ही देख रहे।
विधि का विधान।
प्रिय, छोड़ो, खोलो
मन–प्राण का बंधन।।

काटा माण्डा बागेकेमे
तीरे मुंदाम गिड़िकेमे।
बिधि रेआः ओनोल।
दे हो दे हो राड़ा तामे
जी हो कुड़ाम तोनोल।।

मेरा पीछा करना छोड़ दो
हाथ की अंगूठी फेंक दो।
विधि का विधान।
प्रिय, छोड़ो, खोलो
मन–प्राण का बन्धन।।

उडुःरेदोम कुमुमेनते
दांड़ारेदोम बांगाइःमेनते।
बिधि रेआः ओनोल।
दे हो देहो राड़ा तामे
जी हो कुड़ाम तोनोल।।

याद भी करना तो स्वप्न की तरह
खोजना भी हो तो 'नहीं है' मानकर।
विधि का यह विधान।
प्रिय, छोड़ो, खोलो
मन–प्राण का बंधन।।

ने जिनीद खाण्डाजाना
ने जोनोम डुण्डाजाना।
बिधिरेआः ओनोल।
दे हो दे हो राड़ा तामे
जी हो कुड़ाम तोनोल।।

यह जीवन खंडित हो गया
यह जनम भंगित हो गया।
विधि का यह विधान।
प्रिय छोड़ो, खोलो
मन प्राण का यह बंधन।।

राग – काराम

दारुगो हेता लेमे	पेड़ की तरफ नजर.........
दारुगो हेतालेमे सोनाली चेंड़े	पेड़ की तरफ नजर फिराओ हे सोनाली पंछी
दारुगो सोनाली एकेलाताना।	पेड़, हे सोनाली पंछी, कांप रहा ह।
दाड़ागो हिरालेमे रूपाली ओड़े	डाली की ओर दृष्टि दौड़ाओ, हे रूपाली पंछी
दाड़ागो रूपाली तायुरताना।।	डाली, हे रूपाली पंछी, सिहर रही है।।
दारुगो सोनाली एकेलाताना	पेड़, हे सोनाली पंछी, कांप रहा है
आम आपिरजानाः तेगे एकेलाताना।	तुम्हारे उड़ जाने से कांप रहा है।
दाड़ागो रूपाली तायुरताना	डाली, हे रूपाली पंछी, सिहर रही है
आम ओटाङजानाः तेगे तायुरताना।।	तुम्हारे चले जाने से सिहर रही है।।
हिआतिङ मोनिञा रे चाकातिङ सानाञ	मुझे दुख होता है, चिंता होती है
आम आपिर जानाः तेगे एकेलाताना।	तुम्हारे उड़ जाने से पेड़ कांप रहा है।
हिआतिङ मोनिञा रे चाकातिङो सानाञ	मुझे दुख होता है, चिंता होती है
आम ओटाङ जानाः तगे तायुरताना।।	तुम्हारे चले जाने से सिहर रही है।।

राग – जादुर

उकुता हातु–टोला

उकुता हातु–टोला
बुरु पिड़ि पीटि–मेला।
रोलो–रोलो मेताम एसेकार रे
आमचि रागे सिसि डाड़िदाः रे ?

लेल–लेपेल, लांदा–जागार
गुनतीजान गुना बितार।
गेरो–मेरो मेताम एसेकार रे
आमचि रागे सिसि डाड़िदाः रे ?

नेकागे पिरिति
नेकागे जूग रीति।
पिरिल – पिरिल मेताम एसेकार रे
आमचि रागे सिसि डाड़िदाः रे ?

शिकायत गांव–मुहल्ले में

शिकायत गांव–मुहल्ले में,
मेले में, बाजार में।
झर–झराकर अकेले में
सिसि, क्या तुम्ही डाड़ी पर रोती हो ?

एक दूसरे को देखना, हंसना–बतियाना
यह सब गुनाह में गिना गया।
सुबक–सुबक कर अकेले में
सिसि, क्या तुम्ही डाड़ी पर रोती हो ?

प्रीत ऐसी ही होती है
युग की रीत ऐसी ही होती है।
छल–छलाकर अकेले में
सिसि, क्या तुम्ही डाड़ी पर रोती हो ?

राग – काराम

जू हो जू रूआड़ामे

जे हो जू रूआड़ामे
आचोंड़ो दे राड़ाकेमे।
ओरोङकेदाए पेरेंड़ेद
साड़िजाना बाजांड़ा।
साड़िजाना बाजांड़ा।।

मेददाःदो कागे होकाओः
ने ओते राटि डुबाओः।
एकेलातान चाउडाल
राकाबेजान तारांड़ा।
राकाबेजान तारांड़ा।।

होरा नाआःदो बिनगाजान
डारे नाआःदो आपानजान।
लादिजाना होटोगेरे
नाआःदो नावा आरांड़ा।
नाआःदो नावा आरांड़ा।।

प्रिय, तुम वापस जाओ

प्रिय तुम वापस जाओ
आंचल का बंधन खोल दो।
शहनाई बज उठी
बाजा बज उठा।
बाजा बज उठा।।

आंसू का बहना बंद नहीं होता
पूरी धरती समा जाने जैसा।
कांपती हुई डोली
कंधों पर उठ गई।
कंधों पर उठ गई।।

हमारा रास्ता अलग हो गया
हमारी डगर विलग हो गई।
गले में लटक गया
अब तो नया जूआ।
अब तो नया जूआ।।

राग – नावा

आमागाः काटा सुबा ....

आमागाः काटा सुबा बोंगालेन होड़ो
नाआगोएः जीदाकानाएः सायादजाद गेआ।
आमागाः जांगा जापाः दांड़ेलेन प्रजा
नाआगो मेनाइः गेआएः लिपिरजाद गेआ।।

नाआगोएः जीदाकानाएः सायादजादगेआ
आमागाः साजाइ आउरि पुराओः जाकेद।
नाआगो मेनाइःगेआएः लिपिरजादगेआ
आमागाः डाण्डे आउरि चुकाओः जाकेद।।

आमागाः साजाइ आउरि पुराओः जाकेद
जीआते मायोम नाड़ि सेसेनगेआ।
आमागाः डाण्डे आउरि चुकाओः जाकेद
ईमाते किरुम तांड़ि दाउड़िगेआ।।

तुम्हारे पैरों पर..........

तुम्हारे पैरों पर बलि चढ़ा आदमी
अभी भी जीवित है, सांस चल रही है।
तुम्हारे चरणतले कुर्बान प्रजा
अभी भी जिंदा है, नाड़ी चल रही है।।

अभी भी जीवित है, सांस चल रही है
तुम्हारी सजा के पूरा होने तक।
अभी भी जिंदा है, नाड़ी चल रही है
तुम्हारे दण्ड के चुक जाने तक।।

तुम्हारी सजा के पूरा होने तक
खून की नलिका ह्रदय से चलेगी।
तुम्हारे दण्ड के चुक जाने तक
लहू की धारा दिल से दौड़ेगी।।

राग – जादुर

माराङहादा पीटिपिड़ि — मारांहादा बाजार टांड़

माराङहादा पीटिपिड़ि
दांड़ा केदाञ सेंदाउरि।
आ हो, इदो कोतिआ ?
होरा–होरा आए:गेञ तांगि–तांगिआ।
आ हो, इदो कोतिआ ?

मारांहादा बाजार टांड़
खोज आया मैं सेंदाउरि।
हे साथी, वह कहां चली गई ?
रास्ते रास्ते म उसी को ढूंढ़ता हूं।
हे साथी, वह कहां चली गई ?

सेनो:जाना माराङ बुरू
बांगाइगेआ हाएताञ मिरू।
आ हो, इदो कोतिआ ?
हातु–हातु आए:गेञ कुलि–कुलिआ।
आ हो, इदो कोतिआ ?

माराङ बुरू बीत गया
मेरा प्यारा सुग्गा अबतक नहीं आया।
हे साथी, वह कहां चली गई ?
रास्ते रास्ते म उसी को ढूंढ़ता हूं।
हे साथी, वह कहां चली गई ?

बोंगा चिको बोंगा कि:आ ?
सुकानबुरू उकुकि:आ।
आ हो, इदो कोतिआ ?
बाइओ:रेचा नुतुमेतेञ रागिआ।
आ हो, इदो कोतिआ ?

क्या किसी ने उसकी बलि चढ़ा दी ?
या कि सुकान पहाड़ ने उसे छिपा दिया ?
हे साथी, वह कहां चली गई ?
संभव होता तो नाम लेकर पुकारता।
हे साथी, वह कहां चली गई ?

राग – काराम

सुगा पिंजिरा

सुगा पिंजिरा
रिचि गुगुरा
कोटालेरे कागे कोटाओः।
सुगाड़ा, कोटालेरे कागे कोटाओः।
काजिबेन कुले, काजिबेन कुले।
जुलेतान सेंगेलरे गोतोम बेन दुले।
काजिबेन कुले, काजिबेन कुले।।

दिरि बाकिड़ि
मेंडेद सिकिड़ि
राड़ालेरे कागे राड़ाओः।
सुगाड़ा, राड़ालेरे कागे राड़ाओः।
काजिबेन कुले, काजिबेन कुले।
जुलेतान सेंगेलरे गोतोमबेन दुले।
काजिबेन कुले, काजिबेन कुले।।

सासाङ किचिरि
टिका सिंदुरि
मेटाओलेरे कागे मेटाओः।
सुगाड़ा, मेटाओ लेरे कागे मेटाओः।
काजिबेन कुले, काजिबेन कुले
जुलेतान सेंगेलरे सोतोमबेन दुले
काजिबेन कुले, काजिबेन कुले।।

सुग्गे का पिंजरा

सुग्गे का पिंजरा
बाज का घूंघरू
झकझोरने पर टूटते नहीं
प्रिय, झकझोरने पर टूटते नहीं।
तुम बात भेजते हो, बात भेजते हो।
जलती आग में घी डालते हो
बात भेजते हो, बात भेजते हो।।

पत्थर की दीवार
लोहे की सिकड़ी
छुड़ाने पर छूटती नहीं
प्रिय, छुड़ाने पर छूटती नहीं।
तुम बात भेजते हो, बात भेजते हो।
जलती आग में घी डालते हो
बात भेजते हो, बात भेजते हो।।

पीला कपड़ा
सिंदूर का टीका
मिटाने पर मिटते नहीं
प्रिय, मिटाने पर मिटते नहीं।
तुम बात भेजते हो, बात भेजते हो।
जलती आग में घी डालते हो
बात भेजते हो, बात भेजते हो।।

राग – जातरा

आमेगेहोञ आयुममेआ

आमेगेहोञ आयुममेआ
ने पुताम रानाःरे।
चिलिकातेम रिड़िङोः।
आम कारे आकाड़ा का दुराङोः
चिलिकातेम रिड़िङोः।।

आमेगेचिम एलाएआ
दाः सोङ दाः साड़ागिररे?
चिलिकातेम रिड़िङोः।
आम कारे काटागे का चाण्डाङोः
चिलिकातेम रिड़िङो।।

आमे गेचिम रिदेआ
गुले–गुले लारिरे?
चिलिकातेम रिड़िङोः।
आम कारे रासिका का उडुङोः
चिलिकातेम रिड़िङोः।।

तुम्हें ही सुनता हूँ

तुम्हें ही सुनता हूं
इस पण्डुक की आवाज मे।
असंभव तुम्हें विसरना।
तुम बिन संभव नहीं आखरा में गाना।
असंभव तुम्हें विसरना !!

क्या तुम ही बुलाते हो
दाःसोङ जल प्रभात में?
असंभव तुम्हें विसरना !
तुम बिन संभव नहीं आगे को चलना।
असंभव तुम्हें विसरना !!

क्या तुम ही पीसते हो
गहन घन घुमड़न में?
असंभव तुम्हें विसरना !
तुम बिन संभव नहीं रीझ का निकलना।
असंभव तुम्हें विसरना !!

राग – काराम

ने जी हो आमनांगेन

ने जी हो आमनांगेन
होङोमो होञ जिमालेःम।
हिरिबार सिरिमाञ तांगिकेन।
हांड़ाजानाम कानि टुण्डुजान।।

चिमिने होञ. दुराङमेआ
चाण्डुगातेञ माराङमेआ।
बुरू बोंगा आमगेञ आगोमकेन।
हांड़ाजानाम कानि टुण्डुजान।।

तुयु चिहोञ बादुजान
बिङ चिहोञ कुलाजान।
जुटा कालुः रेचिञ लेकाजान
हांड़ाजानाम कानि टुण्डुजान।।

जुगिना चिञ सादुना
हाकाना चिञ हादेना।
गोएःआकानते काहोञ गोएःआकान।
हांड़ाजानाम कानि टुण्डुजान।।

यह मन तुम्हारे लिए

यह मन तुम्हारे लिए दिया
तन तुम्हारे जिम्मे किया।
वर्ष बीस–दो मैंने की इंतजारी।
तुम रूठ गए, खत्म हुई कहानी।।

तुम्हारे लिए मैंने कितना गाया
चांद से भी ऊपर तुम्हें उठाया।
बुरू बोंगा से मैंने की मनौती।
तुम रूठ गए, खत्म हुई कहानी।।

क्या मैं था सियार या हुण्डार
बाघ या कि सांप विषधर।
जूठे पत्तल में मेरी हुई गिनती।
तुम रूठ गए, खत्म हुई कहानी।।

जोगी बनू या साधु ?
फांसी लगा लूं, करुं आत्मघात ?
मैं मर कर भी मरा नहीं।
तुम रूठ गए, खत्म हुई कहानी।।

राग – काराम

चिमिनेञ सानाङकेना ..... मैंने कितना चाहा ....

चिमिनेञ सानाङकेना हापे मुलिन
मेददाः जोआमुलि जोरोजानगेआ।
चिमिनेञ मोनेकेना जीलाः नांगेन
जी बितार कुड़ामेताञ इआम केदा।।

मेददाः जोआ मुलि जोरोजांनगेआ
सुकु रासिकाताञ आतुजाना।
जी बितार कुड़ामेताञ इआमकेदा
सेंडा—पेड़ेः मुण्डिञ आदेकेदा।।

सुकु रासिकाताञ आतुजाना
आम रेआड़ान गाड़ातेगे आतुजाना।
सेंड़ा पेड़ेः मुण्डिञ आदेकेदा
आम सेने होरा रेगे आदेजाना।।

आम रेआड़ान गाडातेगे आतुजाना
आमागाः हासा चाटु पेरेः नांगेन।
आम सेने होरारेगे आदेजाना
आमागाः काटा दुड़ारे जामान नांगेन।।

मैंने कितना चाहा चुप रहना
गालों पर आंसू झर ही गए।
मैंने कितना चाहा सह लेना
अंतर मन—छाती मेरे रो ही दिए।।

गालों पर आंसू झर ही गए
सुख—आनंद सारा बह गया।
अंतर मन—छाती रो ही दिए
बुद्धि—बल—स्रोत मैंने खो दिया।।

सुख—आनंद सारा बह गया
तुम्हारे नहाने की नदी में बह गया।
बुद्धि—बल—स्रोत मैंने खो दिया
तुम्हारे चलने के रास्ते में खो दिया।।

तुम्हारे नहाने की नदी में बह गया
तुम्हारी मिट्टी का घड़ा भरने के लिए।
तुम्हारे चलने के रास्ते में खो दिया
तुम्हारी चरण—धूलि में मिलने के लिए।।

राग – जादुर

बोंगातान पांड़ादोएः ......

पुजार पाहन ने........

बोंगातान पांड़ादोएः जोआर किःआ
सिंगि तुरोः मुलि तुरेतान सिंगि।
धेआनतान पुजारिदोएः धेआनकिःआ
चाण्डु मुलुः मुलि हासुरतान चाण्डुः।।

पुरोहित पाहन ने जोहार किया
पूरब में उगने वाले सूर्यदेव को।
ध्यानी–पुजारी ने ध्यान किया
पश्चिम में डूबने वाले चन्द्रदेव को।।

सिंगि तुरोः मुलि तुरेतानसिंगि
आमाः आड़ांदिगेः गोआताना।
चाण्डुः मुलुः मुलि मुलुःतान चाण्डुः
आञ एड़ेंःजाना मेनाएः साकिताना।।

पूरब में उगने वाला सूर्य
तुम्हारे विवाह का गवाह बना है।
पश्चिम में डूबने वाला चांद
मेरे बुझने का साक्षी बना है।।

आमाः आंड़ादिगेः साकिताना
हिजुःतान सुकु सोमाएः उदुबताना।
आञ एड़ेः जाना मेनाएः साकिताना
तोरोएःजान सेंगेलगेः चुण्डुलताना।।

तुम्हारे विवाह का गवाह बना है
आगामी सुख समय को बताता है।
मेरे बुझने का साक्षी बना है
राख बनी आग को दिखाता है।।

हिजुःतान सुकु सोमाएः उदुबताना
जुलेनगे बुगिन मेनाएः उदुबताना।
तोरोएःजान सेंगेलगेः चुण्डुलताना
हापेनगे नापाए मेनाएः चुण्डुलताना।।

आगामी सुख समय को बताता है
जलना ही ठीक होगा यही बताता है।
राख बनी आग को दिखाता है
मौन रहना ही ठीक होगा यही बताता है।।

राग – जादुर

होड़ोमो जीञ ओमेलेदा

होड़ोमो जीञ ओमेलेदा
आमाः तीरेञ बागे लेदा।
बेदा कुले किञाम ने टुण्डुरे।
इदो कोरेम हापे गिड़िन जानारे।
बेदा कुले किञाम ने टुण्डुरे।।

हेड़ेम–हेड़ेम काजिकोते
बाआना बाइ बाकांड़ाकोते।
बेदा कुले किञाम ने टुण्डुरे।
उकुन जानाम एटाः एताङ आचोंड़ोरे।
बेदा कुले किञाम ने टुण्डुरे।।

आञ सारेः जाना नेरे
उरुडुआकान बा दुड़ा रे।
बेदा कुले किञाम ने टुण्डुरे।
ताड़ोम तुकादिञाम इसु सांगिनरे।
बेदा कुले किञाम ने टुण्डुरे।।

कोते एटाः मुलिञ हेताए
नेका बांगाञ कुलिञ जेताए।
बेदा कुले किञाम ने टुण्डुरे।
रेगे किञाम रासि सोबेन सिबिलरे।
बेदा कुले किञाम ने टुण्डुरे।।

मन–प्राण मैंने दिए थे

मन–प्राण मैंने दे दिंए थे
तुम्हारे हाथ सौंप दिया था।
तुमने मुझे ठग दिया अंत में।
पता नहीं तुम कहां छिप गए।
तुमने मुझे ठग दिया अंत में।।

मीठी–मीठी बातों से
बहाने के बखानो से।
तुमने मुझे ठग दिया अंत में।
छिप गए अन्य पतले आंचल में।
तुमने मुझे ठग दिया अंत में।।

मैं छूट गयी यहां
पड़ा हुआ फूल, धूल में।
तुमने मुझे ठग दिया अंत में।
लांघकर मुझे दूर छोड़ गए।
तुमने मुझे ठग दिया अंत में।।

मैं किधर देखूं दूसरी ओर
रहा नहीं ऐसा कोई देखे मेरी ओर।
तुमने मुझे ठग दिया अंत में।
लूटा रस सर्वस्व स्वाद मेरा।
तुमने मुझे ठग दिया अंत में।।

राग – काराम

आम नांगेन दांड़ेजान

आम नांगेन दांड़ेजान
ने हासा होड़ोमो।
रामे जाना जानुम
आम नांगेन जी रे।।

ने ओते गाड़ाजान
आम रेआड़ान नांगेन।
तेने जाना दिरि
आम नांगेन जी रे।।

ओकोएञ गोआइ
चिमाएञ साकि।
रोओड़ जाना मेददाः
आम नांगेन जी रे।।

दिरि ओनोल चापिजान
तीरे बा गोसोजान।
लेआजाना बिसि
आम नांगेन जी रे।।

तुम्हारे लिए बलि चढ़ा

तुम्हारे लिए बलि चढ़ा
मिट्टी का यह शरीर।
लग गए कांटे
तुम्हारे लिए प्राणों पर।।

गड्ढा यह खोदा गया
तुम्हारे नहाने के लिए।
पड़ गया पत्थर
तुम्हारे लिए प्राणों पर।।

किसे मैं गवाह रखूं ?
किसे साक्षी बनाऊं ?
सूख गए आंसू
तुम्हारे लिए प्राणों में।।

शिलालेख धुल गया
फूलों का हार सूख गया।
धुल गया जहर
तुम्हारे लिए प्राणों में।।

राग – काराम

हातुआतेम आदे जाना — गांव से तुम खो गए

हातुआतेम आदेन जाना
गुगुलारेम उकुनजाना।
तोआ दारु आमगेः तांगि पाओगे।
हेतालेमे हातु आमतेगे।।

इदिकेदाम रेंगे–तेताङ
चाटु–लुड़िः माड़े–माङ।
पुटिः सेरेङ रोलो–रोलो रागे।
हेतालेमे हातु आमतेगे।।

ओकोरेताम किता बिण्डा ?
ओकोरेताम गुरिः लुण्डा ?
पाटि बाबा चेंड़े कोगे रेगे।
हेतालेमे हातु आमतेगे।।

कुलिमेरे चातेम जागार ?
बांको भाला तामाः जेताए।
आमाः दिसुम किआ सिंदुरिगे।
हेतालेमे हातु आमतेगे।।

गांव से तुम खो गए
घूंघट में छिप गए।
दुधिया फूल तुम्हारी राह देखता है, बेकार।
आंखे फिराओ अपने गांव पर।।

ले गए तुम भूख–प्यास
हाड़ी–वर्त्तन ध्वनि शेष।
रोए कलरव स्रोत–पत्थर।
आंखें फिराओ अपने गांव पर।।

कहां गया तुम्हारा खजूर–नेवठा ?
गोबर–लेपनी तुम्हारा–पोंछा ?
पंछी लूटे धान चटाई पर।
आंखें फिराओ अपने गांव पर।।

बात भला क्यों करोगे पूछने पर ?
कोई नहीं तुम्हारा यहां पर !
तुम्हारा देश सिंदूर कीया भर
आंखें फिराओ अपने गांव पर।।

राग – काराम

होन लेका सांगिनाते

होन लेका सांगिना ते
लेलकेनाञ चाण्डुःमेनते।
ओको लारिरे, ओको लारिरे ?
लेलिः लेलिः उकुनजाना
ओको लारि रे ?

हाइ मेनतेञ तुनुमकेना
गाड़ा–गाड़ाञ दांड़ाकेना।
ओको दिरिरे, ओको दिरि रे ?
नामिः नामिः पोचोनजाना
ओको दिरि रे ?

कुइलि मेनतेञ आतेनकेना
दारु–दारुञ सुआंड़केना।
ओको डारि रे, ओको डारि रे ?
रागिः रागिः आदेनजाना
ओको डारि रे ?

माएनो मेनते कांसा पांइरि
दासिन जानाञ चिमिन हाएरी।
ओको घारि रे, ओको घारि रे ?
साबिः साबिः बोलोजाना
ओको घारि रे ?

बच्चे की तरह दूर से

बच्चे की तरह दूर से
देखता था चांद समझकर।
किस बादल में, किस बादल में ?
देखते देखते छिप गया
किस बादल में।।

मछली समझकर टटोलता था
इस नदी, उस नदी में खोजता था।
किस पत्थर में, किस पत्थर में ?
धरते–धरते फुचक गयी
किस पत्थर में।।

कोयल समझकर सुनता था
इस पेड़, उस पेड़ पर गुनता था।
किस डाली में, किस डाली में ?
बुलाते–बुलाते खो गयी
किस डाली में ?

मएना समझकर कांसे की पैंरी बनवाई
धागर बना, कहां–कहां।
किस पिंजड़े में, किस पिंजड़े में
पकड़ते–पकड़ते घुस गयी
किस पिंजड़े में ?

राग – काराम

कागे: मानातिङ

कागे: मानातिङ
कागे बुझातिङ।
आञदोञ कोटोङ केना
माराङ गाड़ा दो।
कागे: तिंगुना।
कागे: रूडुना।।

कोजाए: इदिञरे
कोजाए: सुतु:ञरे।
आञदोञ गोड़ोङ केना
माराङ गाड़ा दो।
कागे: तिंगुना।
कागे: रूडुना।।

कोंका लेकागे
बाउड़ा लेकागे।
आञदोञ ओतोङ केना
माराङ गाड़ा दो।
कागे: तिंगुना
कागे: रूडुना।।

वह नहीं मानती

वह नहीं मानती
वह नहीं समझती।
मैंने बांधना चाहा था,
बड़ी नदी को।
वह रूकती नहीं।
वह टिकती नहीं।।

शायद वह ले चले
शायद वह साथ करे।
मैंने साथ चाहा था,
बड़ी नदी का।
वह रूकती नहीं
वह टिकती नहीं।।

पागल की तरह
बाउल की तरह।
मैं पीछे पड़ा था,
बड़ी नदी के।
वह रूकती नहीं।
वह टिकती नहीं।।

राग – काराम

लांदा जागार आदेजाना

लान्दाजागार आदेजाना
उकु इनुङ होकाजाना।
आतु जाना दो।
किरिआ काजि सुगाड़ा
आतु जाना दो।।

काजि सेरेङ दुम्बुजान
साकि बारू दोड़ाङेजान।
सिदेजानादो।
बालेः सोंगोति सुगाड़ा
सिदेजाना दो।।

इपाएःगेआ मुंदाम
इपाएःगे मादोलि
उकुजाना दो।
रासिका रासि सुगाड़ा
उकुजाना दो।।

हँसना–बातियाना खो गया

हंसना–बातियाना खो गया
लुका–छिपी का खेल खत्म हो गया।
बह कर चली गयी
हमारी कसम–कथा, हे प्रिय
बह कर चली गयी।।

मिलन–पत्थर पर जम आई घास
साक्षी–कुसुम पर हुआ वज्रपात।
टूट कर बिखर गई
बचपन की संगति, हे प्रिय
टूट कर बिखर गई।।

व्यर्थ ही अगूंठी
व्यर्थ ही मादुली।
विलीन हो गया।
हमारा आंनद–रस, हे प्रिय
विलीन हो गया।।

राग – काराम

निदा सिंगि बोले लोतानरेओ

निदा सिंगि बोले लोतानरेओ
हासा होड़ोमोदो मेनाःगेआ।
सेताः सिंगाड़ा बोले बालेतानरेओ
कुकुरू कुड़ामेदो मेनाःगेआ।।

जीरे सेंगेलेदो नेकागेआ
लोतान रेओ सुगाड़ा हापेकोः एनाङ।
कुड़ामरे ओंडोरदो नेका गेआ
बालेतानरेओ सुगाड़ा चुपेकोः एनाङ।।

लेलोः रेचा बोले उरूमोः रेचा
चाटु दागेतेगेम दुले लेकाः।
चिनाओःरेचा बोले चापुओःरेचा
मेंड़ेद सानाबेतेम रूले लेकाः।।

रात दिन जलते रहने पर भी

दिन–रात जलते रहने पर भी
मिट्टी का यह शरीर अब भी जीवित है।
सुबह–शाम धधकते रहने पर भी
लकड़ी की यह छाती अब भी जिंदा है।।

मन की आग ऐसी ही होती है
जलते रहने पर भी मौन रहना होता है।
छाती का जलना ऐसा ही होता है
धधकते रहने पर भी चुप रहना होता है।।

दिखाई देता या पहचान में आता
घड़ा भर पानी उसमें डाल सकते!
चिन्ह कोई होता या पकड़ में आता
लोहे की संड़सी से उसे निकाल सकत!!

राग – जादुर

आमलोःते रुतु—बानाम

आमलोःते रुतु—बानाम
चेतान उतार साड़िलेना।
चेतान उतार साड़िलेन।।
आमलोःते डुल्कि दुमाङ
लातार उतार चांड़िलेना
लातार उतार चांड़िलेन।।

मुसिङ नांगेनेगे
चेतान उतार साड़िलेना।
चेतान उतार साड़िलेन।।
बारसिङ नागेनेगे
लातार उतार चांड़िलेना।
लातार उतार चांड़िलेन।।

नेआ मिसाञ हिआतिङा
चेतान उतार साड़िलेना।
चेतान उतार साड़िलेन।।
नेआ मिसाञ चाकातिङा
लातार उतार चांड़िलेना।
लातार उतार चांड़िलेन।।

तुम्हारे साथ बांसुरी—बानाम

तुम्हारे साथ बांसुरी—बानाम
सबसे ऊंचा ध्वनित थे।
सबसे ऊंचा ध्वनित थे।
तुम्हारे साथ ढोल—मांदर
सबसे नीचा तनित थे।
सबसे नीचा तनित थे।।

एक ही दिन के लिए
सबसे ऊंचा ध्वनित थे
सबसे ऊंचा ध्वनित थे।
दो ही दिनों के लिए
सबसे नीचा तनित थे
सबसे नीचा तनित थे।।

इसका मुझे अफसोस है
सबसे ऊंचा ध्वनित थे।
सबसे ऊंचा ध्वनित थे।
इसकी मुझे चिन्ता है
सबसे नीचा तनित थे।
सबसे नीचा तनित थे।।

राग — मागे

काजि मेनेगेहोञ बुगिगेआ

काजि मेनेगेहोञ बुगिगेआ
तारा जी आपरेगे तोलाकाना।
उदुब मेनेगेहोञ नापाएगेआ
तारा ईम आपेरेगे नेओड़ाकाना।।

आपेआः हेड़ेम जागार उडुःकेते
पिरिल–पिरिल मेददाः लिंगिताना।
आपेआः मुगुइलान्दा पाहामकेते
दोपोल–दोपोल कुड़ाम रुडुङताना।।

मिसाञ लेलेआहो रिम्बिल चेतान
रिम्बिल आतोमरेञ आदाकाना।
मिसाज कोयोगेहो जालाकार लातार
जालाकार पारोमेरेञ हिगाड़ाआकाना।।

गिदिरेचा बोले कुड़िदरेचा
सिरिमा चेतानेतेञ आपिरेना।
लेण्डादरेचा बोले काड़ाकोमरेचा
ओते लातारतेञ टुण्डाङेना।।

चाण्डुः मुण्डिगेहोञ तांगिताना
आपेआः काटा सुबा सोम्बोदेन नांगेन।
बोछोर नेण्डा गेहोञ दारोम ताना
आपेआः कोयोङेरे उयुगेन नांगेन।।

कहने को ही में स्वस्थ हूँ

कहने को ही में स्वस्थ हूँ
आधा मन मेरा तुम्ही में बंधा है।
बताने को मैं ठीक हूँ
आधा हृदय मेरा तुम्हीं में लिपटा है।।

तुम्हारी मीठी बातें सोचकर
छलछलाकर आंसू बहते हैं।
तुम्हारी मुस्की हँसी को यादकर
धक–धक छाती धड़कती है।।

कभी देखता हूं आसमान की ओर
आसमान के किनार मैं खो गया हूं।
कभी देखता हूं नीचे जलाकार
जलाकार के उसपार अलग पड़ा हूं।।

गिद्ध रहता या मैं चील होता
आकाश में उड़कर तुम्हारे पास आता।
केंचुल होता या केकड़ा होता
धरती के नीचे जाता रेंगता।।

महीने के अंत का इंजतार करता हूं
तुम्हारे पैरों पर पड़ने के लिए।
वत्सर–तिथि की राह देखता हूं
तुम्हारी गोद में गिरने के लिए।।

राग – जादुर

आम सेनोः तायोमेते........ तुम्हारे जाने के बाद........

आम सेनोः तायोमेते कुदा सुबा
कुदा सुबादोरे सिंसोंड़ोएः जाना।
आम बिरिद तायोमेते बारू सुबा
बारू सुबादोरे सुनसान जाना।।

आमागाः उम्बुल गेहोञ ओतोङ केना
मेनदो उम्बुल राटिम मेटाओकेदा।
आमागाः नुतुमगेहोञ कुलि केना
मेनदो नुतुम राटिम बादालाकेदा।।

साबोः बोरोतेचि तोलोः चिरि?
आमदो उम्बुल राटिम मेटाओ केदा।
नेदोः गिउःतेचि लोसोदोः सोरोम
आमदो नुतुम राटिम बादालाकेदा।।

तुम्हारे जाने के बाद जामुन की छाया
जामुन की छाया जनविहीन हो गयी।
तुम्हारे उठने के बाद कुसुम की छाया
कुसुम की छाया सुनसान हो गयी।।

मैंने तुम्हारी छाया का पीछा किया
किन्तु तुमने अपनी छाया तक मिटा दी।
मैंने तुम्हारे नाम से पूछताछ की
किन्तु तुमने अपना नाम तक बदल दिया।।

पकड़ाने के डर से या बंधने के भय से?
तुमने अपनी छाया तक मिटा दी
रंगने की लाज से या छिटकने की शर्म से?
तुमने अपना नाम तक बदल दिया।।

राग – जादुर

दिसुम–दिसुम दांड़ाए रेओ   देश–देश ढूंढने पर भी

दिसुम–दिसुम दांड़ाए रेओ
चाइरो कोना चाबाएरेओ।
राताङ बुरू राकाबरेओ
जालाकार रे तुपुनरेओ।
आम का रे ने जी दो
कागे राड़ेगोःआ, राड़ेगोः।।

देश–देश ढूंढने पर भी
चारो कोना घूम आने पर भी।
वर्फ के पहाड़ पर चढ़ने पर भी
जलाकार में डुबकी लगाने पर भी।
तुम्हारे बिना यह मन
शान्त नहीं होता, शान्त नहीं होता।।

आड़ि–कुण्डि मेनाः रेओ
इलि–माण्डि मेनाः रेओ।
रूतु–बानाम ताला रेओ
लान्दा–जागार ताला रेओ।
आम कारे ने जी दो
कागे पेरेगोःआ, पेरेगोः।।

खेत–डांड़, रहने पर भी
इलि–भात रहने पर भी।
बांसुरी–बानाम के बीच भी
हंसी–बातियाने के बीच भी।
तुम्हारे बिना यह मन
भर नहीं पाता, भर नहीं पाता।।

निदा–सिंगि लोतान रे
मुटु लेका जुलेतान रे
आमते काम रूले लेरे
दागेते काम दुले लेरे
आम कारे ने जी दो
कागे सारेगोःआ, सारेगोः।।

रात दिन जलते रहने पर
मोटी लकड़ी की तरह धधकते हुए
जबतक तुम ख़ुद धर निकालोगे नहीं
खुद पानी डालोगे नहीं
तुम्हारे बिना यह मन
बच नहीं सकेगा, बच नहीं सकेगा।।

राग – नावा

ने जोजो सुबा दो ......

ने जोजो सुबा दो
पेरेःलेना।
ने उलि सुबा दो
पारिड़ि लेन।।

आमागाः सुगाड़ाते
पेरेःलेना।
आमागाः दुलाड़ाते
पारिड़िलेन।।

मुसिङ नांगेनेगे
पेरेःलेना।
बारासिङ नांगेनेमे
पारिड़िलेन।।

हिआतिङगे मोनिञा
पेरेःलेना।
चाकातिङगे सानाञा
पारिड़िलेन।।

यह इमली की छाया.....

यह इमली की छाया
भर गई थी।
यह आम की छाया
छलछला आई थी।।

तुम्हारे सौंदर्य से
भर आई थी।
तुम्हारे प्यार से
छलछला आई थी।।

एक दिन के लिए
भर आई थी।
दो दिन के लिए
छलछला आई थी।।

दिल दुखी होता है,
भर गई थी।
मन चिंतित होता है,
छलछला आई थी।।

राग — जादुर

जुगिलेकाएः जुगुतुजान

जुगिलेकाएः जुगुतुजान
जानतारिः साजाओआकान।
कोना–कोनाएः दांड़ातान।
कुलितान, खोजारतान –
रागे मेआ हो सिदारेन सांगाम।।

बुरू पारोम दिसुमेताम
गाड़ापारोम गामाएताम।
ने मुलि हो हेतालेम।
पिचातान, जारेतान –
रागे मेआ हो सिदारेन सांगाम।।

गुले गुले रिम्बिले दो
हिचिरे दो आरिले दो
जी आमगेः साना दो।
इआमतान, सायादतान
रागे मेआ हो सिदारेन सांगाम।।

एंगा बागे चुइ लेका
कोंकाजान होड़ो लेका
रानुआकान कुलालेका।
तोलाकान, तिगाकान –
रागे मेआ हो, सिदारेन सांगाम।।

सेनेगेआए दिसुम टुंडु
रागे गेआए जिबोन मुण्डु
ताइन सुमुङ सिंगि चाण्डुः।
आङतान, आयुबतान –
रागे मेआ हो सिदारेन सांगाम।।

वह जोगी बन गया

वह जोगी बन गया
वह जंतरी सज गया।
कोना–कोना ढूंढ़ता है।
पूछता है, खोजता है –
पुकारता है, प्रिय, तुम्हारा पहला प्यार।।

पहाड़ के उस पार तुम्हारा देश
नदी के उस पार तुम्हारी दुनिया।
इस तरफ आंख फिराओ।
पीछा करता, साथ लगता –
पुकारता है, प्रिय तुम्हारा पहला प्यार।।

घिरते–घुमड़ते बादल
बिजली की चमक, ओला पानी।
दिल तुम्हें तलाशता है।
रोते–बिलखते, आहें भरते –
पुकारता है, प्रिय, तुम्हारा पहला प्यार।।

माँ से बिछुड़ा बछड़े–सा
पागल हुआ आदमी सा।
वशीभूत कोई बाघ–सा।
बंधा हुआ, खिंचा हुआ –
पुकारता है प्रिय, तुम्हारा पहला प्यार।।

चलता ही रहेगा, देश के उस छोर तक
रोता रहेगा जीवन के अन्त तक।
सूरज और चांद के रहने तक।
सुबह होते, शाम होते –
पुकारता है प्रिय, तुम्हारा पहला प्यार।।

राग – नावा

सिदारेन गातिमेको........

सिदारेन गातिमेको हासागाड़ाताना
काचि सुगाड़ाको उदुबादमेआ?
तायोमरेन सांगामेको सेंगेल साकिताना
काचि दुलाड़ा को चुण्डुलादमेआ?

काचि सुगाड़ाको उदुबादमेआ
सुकान बुरूआतेः दाङसिनजाना।
काचि दुलाड़ाको चुण्डुलाद मेआ
दाःसोङ साड़ागिररेः खादिड़िनजाना।।

आमागाः उडुः जीरे होण्डोएःतेगे
सुकान बुरूआतेः दाङसिनजाना।
आमागाः फिकिर ईमरे ओण्डोरतेगे
दाःसोङ साड़ागिररेः खादिड़िनजाना।।

तुम्हारे पहले साथी को........

तुम्हारे पहले साथी को लोग माटी दे रहे हैं
प्रिय, क्या उन्होंने तुम्हें नहीं बताया?
तुम्हारे पिछले संगी का लोग अग्नि साक्षी कर रहे ह
प्रिय, क्या उन्होंने तुम्हें नहीं सुनाया?

प्रिय, क्या उन्होंने तुम्हें नहीं बताया?
वह सुकान पहाड़ पर से कूद गया ।
प्रिय, क्या उन्होंने तुम्हें नहीं सुनाया?
वह दाःसोङ प्रपात में दौड़ गया।।

तुम्हारी याद मन में खौलते रहने से
वह सुकान पहाड़ पर से कूद गया।
तुम्हारी स्मृति हृदय में दहकते रहने से
वह दाःसोङ प्रपात में दौड़ गया।।

राग – जादुर

दोरेआको पारोरेओ

दोरेआको पारोमरेओ
सांगिन दिसुम होरारेओ
निदा सिंगि आलिं जीदो आबेनरेगेआ।
निदा सिंगि आलिं जीदो आबेनरेगेआ।।

चिलिकातेञ उदुबाबेन
मेरेकातेञ चुण्डुलाबेन
दुमुरजीतानरेचारे जुड़िञ आपिर पारोमेन।
दुमुर जीतानरेचारे जुड़िञ आपिर पारोमेन।।

चाण्डुः मुण्डिञ तांगिताना
बोछोर नेण्डाञ दारोमताना
आमाः सुगाड़ा मिरु मोचा चिउलाञ लेलेआ?
आमाः सुगाड़ा मिरु मोचा चिउलाञ लेलेआ?

समुंदर के पार रहने पर भी

समुंदर के पार रहने पर भी
दूर देश कर रास्ता होने पर भी
रात–दिन मेरा मनं तुम्हीं पर लगा है
रात–दिन मेरा मन तुम्हीं पर लगा है।।

मैं तुम्हें कैसे बताऊं ?
मैं तुम्हें कैसे दिखाऊं ?
काश! मैं मधुमक्खी होता कि उड़कर पार होता
काश! मैं मधुमक्खी होता कि उड़कर पार होता।।

महीने ही समाप्ति की राह देखता हूँ
निश्चित वर्ष का इंतजार करता हूँ
तुम्हारा सुग्गा मुख मैं कब देख पाऊंगा?
तुम्हारा सुग्गा मुख मैं कब देख पाऊंगा?

राग – मागे

होरा सेने सिदा दुलाङ	रास्ता चलने के पहले दिन
होरा सेने सिदा हुलाङ दिसुम बागे आयार दिलाङ। तुसिङ किञाम सोना बेरा तोलेकिञाम मान्दुलि, गा, तोलेकिञाम मादुलि।।	रास्ता चलने के पहले दिन देश छोड़ने के पूर्व दिवस। तुमने मुझे सोने का कड़ा पहनाया तुमने मेरे गले में मादली बाधो, हे माँ तुमने मेरे गले में मादुली बांधी।।
नाजोम नजरी आलो टोगोः दुकु–रोग तारासागोः। चुमान किञाम दुलाड़ाते टिका किञाम टिकिलि, गा, टिका किञाम टिकिलि।।	किसी की बुरी नजर न लगे दुख–रोग एक किनारे हटें। तुमने प्यार से मेरा चुमावन किया मेरे माथे पर टिकली लगाई, हे माँ मेरे माथे पर टिकली लगाई।।
हाराकिञाम हातारेरे माताकिञाम कुड़ामेरे। दुपिलकेते कांचि आम साबादिञाम मुरूलि, गा, साबादिञाम मुरूलि।।	बड़ा किया अपने आंचल में मेरा पालन किया अपनी छाती में। स्वयं सिरपर टोकरी लेकर तुमने मुझे बांसुरी धराई, हे माँ तुमने मुझे बांसुरी धराई।।
जू रे जू सेनेमे मार काजिकेदाम टुण्डु जागार। मेदद़ाः जीरेम रोओड़केद हाकाकिञाम बुगुलि, गा, हाका किञाम बुगुलि।।	जाओ, बच्चे, ठीक है, जाओ तुमने अपनी अंतिम बात कही। आंख के आंसू मन में सुखाकर तुमने मेरे कंधे से झोली लटकाइ हे मा, मेरे कंधे से झोली लटकाई।।
जी ताम दो इसु माराङ गंगा गाड़ाआतेओ माराङ। आमाः समुन्दर आतोम बानोगा ताञ आंजिलि, गा, बानोगाताञ आंजिलि।।	तुम्हारा मन अत्यंत ही बड़ा है गंगा नदी से भी बड़ा। तुम्हारे समुंदर के किनारे मेरी अंजलि का अस्तित्व नहीं, हे माँ, मेरी अंजलि का अस्तित्व नहीं।।

राग – नावा

एनेओन

(जागरण)

अनुक्रमणिका

निमिन माराङ रिंबिल लातार

निमिन माराङ रिंबिल लातार
दिसुम ताबु जिलिं चाकार।
सुसुन काराम मिदे आकाड़ागे।
दाड़ा बिनिगा, दारु मिदेगे।
सुसुन काराम मिदे आकाड़ागे
इनुङ मिदे दुड़ा रेगे।।

ओकोए सिंगि तुरोः रेनिः
ओकोए चांडुः मुलुः रेनिः।
सिउः चालुः मिदे ओते रेगे।
गाड़ा बिनिगा दाः दो मिदेगे।
सुसुन काराम मिदे आकाड़ागे
इनुङ मिदे दुड़ा रेगे।।

ओकोए ओते तिरुबाइतान
ओकोए सिरमा सांगिलाइतान।
सोबेन कोरे मिदे धेआनेगे।
सारना बिनिगा बोंगा मिदेगे।
सुसुन काराम मिदे आकाड़ागे
इनुङ मिदे दुड़ा रेगे।।

हेंदे एसेल बागेताःबु
हुडिं माराङ राड़ाएआबु।
सोबेन कोरे मिदे मायोमेगे।
काजि बिनिगा दुराङ मिदेगे
सुसुन काराम मिदे आकाड़ागे
इनुङ मिदे दुड़ा रेगे।।

इतने बड़े आकाश के नीचे

इतने बड़े आकाश के नीचे
हमारा देश लम्बा चौड़ा।
नाचने–गाने का अखरा एक ही।
डालियाँ, शाखाएँ अलग, पेड़ एक ही ।
नाचने–गाने का अखरा एक ही
खेलने की धूल एक ही।।

कोई पूरब का
कोई पश्चिम का।
जोतना–कोड़ना एक ही जमीन पर ।
नदी अलग, पानी एक ही ।
नाचने–गाने का अखरा एक ही
खेलने की धूल एक ही।।

कोई धरती को सिर नवाता है
कोई आकाश को ताकता है।
सभी में ध्यान एक ही ।
सारना अलग, देवता एक ही।
नाचने–गाने का अखरा एक ही
खेलने की धूल एक ही।।

काले–गोरे का भेद छोड़ दें
छोटे–बड़े की गाँठ खोल दें।
सब में जान एक ही।
भाषाएं अलग, गीत एक ही।
नाचने–गाने का अखरा एक ही
खेलने की धूल एक ही।।

राग – हाम्बाल काराम

जूगु–जूगुआते मिदेरेबु गेआ — हम युगों से साथ है

जूगु–जूगुआते मिदे रेबु गेआ
बुरु दानाङरेओ मिदे गाड़ा गेआ।
हों होबु तापांगिआ
हों होबु तापांगिआ।
मिदगेबु दुराङेआ, मिदगेबु चाण्डाङेआ
का होबु बापागेआ, का होबु बापागेआ।।

हम युगों से एक साथ हैं
पहाड़ों की आड़ में नदी एक ही है।
एक दूसरे का इंतजार करें
एक दूसरे का इंतजार करें ।
हम एक साथ गाएंगे, एक साथ नाचगे
साथ नहीं छोड़ेंगे, साथ नहीं छोड़ेंगे।।

मारेसाल सुमुङ गेचा एसेकारेम सेना
दुदुगार–कोंआसिरे होरा बोरोआना।
हों होबु कुपुलिआ
हों होबु कुपुलिआ।
मिदगेबु दुराङेआ, मिदगेबु चाण्डाङेआका
होबु बापागेआ, का होबु बापागेआ।।

प्रकाश रहनें तक तुम अकेले चलोगे
आंधी कुहासे में रास्ता भयावह होगा।
एक दूसरे को पूछें
एक दूसरे को पूछें।
हम एक साथ गाएंगे, एक साथ नाचेंगे
साथ नहीं छोड़ेंगे, साथ नहीं छोड़ेंगे।।

आबुगे कामितानरे, आबुगे सुसुनरे
आबुगे हागाकोरे, आबुगे कुपुल रे।
बा होबु बापादाला
बा होबु बापादाला।
मिदगेबु दुराङेआ, मिदगेबु चाण्डाङेआ
का होबु बापागेआ, का होबु बापागेआ।।

हम ही काम के समय, हम ही नाच के समय
हम ही बंधु हैं, हम ही कुटुंब हैं।
आपस में फूल बदलें
आपस में फूल बदलें।
हम एक साथ गाएंगे, एक साथ नाचेंगे
साथ नहीं छोड़ेंगे, साथ नहीं छोड़ेंगे।।

राग – नावा

ओकोए टोरे ओको सोमाए

ओकोए टोरे ओको सोमाए
होयो गामाए आबु गामाए।
दुदुगाररे कोआंसिरे
कोतेम दांड़ा एटाःरे?
एला होबु काजि केटेः
मिदे जिलिं सेरेंरे।।

दुकु–सुकु सोलोः–मोलोः
नेका गेआ जेटे–लोलो।
जेटेतानरे, लोलोतानरे
कोतेम दांड़ा एटाःरे ?
एला होबु दुबेकोआ
मिदे दारू सुबारे।।

नेःगे हिजुः नावा बाड़ि
दिरि–डुटु रापारूड़ि।
आतुतानरे, बुआलतानरे
कोतेम दांड़ा एटाःरे ?
एला होबु साबेदाड़िन
मिदे गाड़ा–काड़ेरे।।

कौन जाने किस समय

कौन जाने किस समय
आँधी आए हमारी धरती पर।
धुंध में, कुहासे में
तुम रास्ता कहाँ पाओगे?
आओ हम संकल्प लें
एक बड़े चट्टान पर।।

दुख–सुख का मिश्रण
इसी तरह धूप और गर्मी।
जब धूप हो, गर्मी हो
तुम रास्ता कहाँ पाओगे?
आओ हम मिल बैठें
एक पेड़ के नीचे।।

एक बाढ़ नयी आने वाली
पत्थर–लकड़ी सबकुछ लीलने वाली।
डूबते हुए, उतराते हुए
तुम रास्ता कहाँ पाओगे?
आओ हम बच निकलें
एक ही नदी घास के सहारे।।

राग – हाम्बाल काराम

बिरदो–बिरदो लो तान

बिरदो–बिरदो लो तान
बुरुदो–बुरुदो बालेतान।
बाइजोममेआ चुटुहोन रूता तुरूड़ि।
बाइजोममे सुगाड़ा, बाइजोममे।।

गाड़ादो गाड़ादो आनजेदतान
नाइदो नाइदो रोओड़तान।
बाइजोममेआ काड़ाकोम दिरि कापाटा।
बाइजोममे सुगाड़ा, बाइजोम मे।।

साबेताम गेआको
रोम्बोदताम गेआको।
बाइजोममेआ चुटुहोन रूता तुरूङि।
बाइजोममे सुगाड़ा, बाइजोम मे।।

लादेताम गेआको
रापाःताम गेआको।
बाइजोममेआ काड़ाकोम दिरि कापाटा।
बाइजोममे सुगाड़ा, बाइजोम मे।।

बाइजोममे ताञ बाइजोम मे।
बाइजोममे सुगाड़ा बाइजोम मे।।

जंगल जल रहे हैं

जंगल जल रहें हैं
पहाड़ जल रहे हैं।
बनाए रखो, प्रिय चूहा, शीशम का घर।
बनाए रखो प्रिय, बनाए रखो।।

नदियाँ सूख रही हैं
स्रोत सूख रहे हैं।
बनाए रखो, प्रिय केकड़ा, पत्थर का द्वार
बनाए रखो प्रिय, बनाए रखो।।

लोग तुम्हें पकड़ लेंगे
लोग तुम्हें दबोच लेंगे।
बनाए रखो प्रिय चूहा, शीशम का घर।
बनाए रखो प्रिय, बनाए रखो।।

लोग तुम्हें पका खाएंगे
लोग तुम्हें भून चबाएंगे।
बनाए रखो प्रिय केकड़ा, पत्थर का द्वार
बनाए रखो प्रिय, बनाए रखो।।

बनाए रखो प्रिय, बनाए रखो।
बनाए रखो प्रिय, बनाए रखो।।

राग – मागे

डांडिओ हुलागाकान

डांडिओ हुलागाकान
दानाबो केचागाकान।
राइ राति बानाम दो
राजा राति बानाम दो
चिका लेका हो राजाम
बानामेआ किङ–कोङ।।

माद नावा नामेमे
ऊर नावा दाबेमे।
राइ–राति बानाम दो
राजा–राति बानाम दो
तोबे रेचा हो राजाम
बानामेआ किङ–कोङ।।

हाटिआ हो रुमुलोः
आकाड़ा हो तामुलोः।
राइ–राति बानाम दो
राजा राति बानाम दो
सिदा लेका हो राजाम
बानामेआ किङ–कोङ।।

डंडी टूटी हुई

डंडी टूटी हुई
छादन फटा हुआ।
रानी की पसंद की सारंगी
राजा की पसंद की सारंगी
हे राजा, तुम किस तरह,
सुमधुर संगीत निकालोगे?

बाँस नया ढूंढो
चमड़ा नया छाओ।
रानी की पसंद की सारंगी
राजा की पसंद की सारंगी
हे राजा तभी तुम
सुमधुर संगीत निकालोगे।।

(तभी) गलियाँ गूंज उठेंगी
(तभी) अखरा प्रतिध्वनित होंगे।
रानी की पसंद की सारंगी
राजा की पसंद की सारंगी
हे राजा, तुम पहले की तरह,
सुमधुर संगीत निकालोगे।।

राग – काराम

ताइकेनाको राजा ठाकुर

ताइकेनाको राजा ठाकुर
उड्ः लेरे दुकुर–पुकुर।
हापेआकानाको ओकोसाःरे।
दुड़ा ओटाङजाना सादोम साड़ेरे।
हापेआकानाको ओकोसाःरे।।

सेनोःजाना जिमिदारी
बुःजाना बाकिड़ि दिरि।
होड़ो बोंगा बानोः गाड़ बितार रे।
टिपि कोटोङ जाना फूली आर्किरे।
होड़ो बोंगा बानोः गाड़ बितार रे।।

आको उड्ःताना जीते
नाइलबु आदकेदा चिते ?
चिलकाबु आन्तोरे एनेटेःरे ?
रिड़िङजाना' कुनिः देदे बाबारे।
चिलकाबु आन्तोरे एनेटेःरे।।

गिउः–सोरोम बागे केते
सेनकोः एनाङ सी–चालुते।
ओकोए कामि इनिः जोम नामेरे।
उपाएः गेआ पुराः जिलिङ पागारि रे।
ओकोए कामि इनिः जोम नामे रे।।

राजा ठाकुर होते थे

राजा ठाकुर होते थ
सोचकर जी धुक–धुक करता है।
अब वे चुप है किसी कोने में।
धूल उड़ने लगी घोड़साल में।
वे चुप हैं किसी कोने में।।

चली गई जमींदारी
टूट गई पत्थर की बखरी।
नहीं अब नर–बलि गढ़ के भीतर।
ठेंपी लग गई शुद्ध शराब की बोतल में।
वे चुप हैं किसी कोने में।।

वे सोचते हैं मन में
अपना हक खोया कैसे हमने।
हम हल चलाना शुरू कैसे करें ?
भूल गया किधर बाएँ, किधर दाएँ।
वे चुप हैं किसी कोने में।।

लाज–शरम छोड़कर
जोतने–कोड़ने चलना ही होगा।
जो काम करेगा, वही खाएगा।
कुछ नहीं है लम्बी पगड़ी में।
जो काम करेगा, वही खाएगा ।।

राग – काराम

हातु–हातु, टोला–टोला

हातु–हातु, टोला–टोला
रुम्बुल लेना रूतु–बानाम।
एन रूतु–बानाम कोतेजान ?
ओकोए उदुबाञ !
एला, चिमाए चुण्डुलाञ !
एन रुतु बानाम कोतेजान ?

आकाडाको जारु ओड़ाः
तुमुल लेना सुसुन–दुराङ।
एन सुसुन–दुराङ' कोतेजान ?
ओकोए उदुबाञ !
एका, चिमाए चुण्डुलाञ !
एन सुसुन–दुराङ कोते जान ?

बुरु–पिड़ि, पीटि–मेला
पारिड़िलेन लान्दा–जागार।
एन लान्दा जागार कोतेजान ?
ओकोए उदुबाञ !
एला, चिमाए चुण्डुलाञ !
एन लान्दा–जागार' कोतेजान ?

सुकु ताबु आतुताना
गाड़ा मुलि जालाकार।
एन सुकु मारबु साब रुड़ाए !
मारबु साब रुड़ाए !
एला, मारबु साब रुड़ाए !
एन सुकु मारबु साब रुड़ाए !!

गाँव गाँव, टोला–टोला

गाँव–गाँव, टोला–टोला
बाँसुरी–बानाम गूँजते थे।
वे बाँसुरी बानाम कहाँ गए ?
कोई मुझे बता दे !
कोई मुझे बोल दे !
वे बाँसुरी–बानाम कहाँ गए ?

अखराओं और चौपालों में
झंकृत थे नृत्य और गायन।
वे नृत्य–गीत कहाँ गए ?
कोई मुझे बता दे !
कोई मुझे बोल दे !
वे नृत्य–गीत कहाँ गए ?

मेला–टांड़, हाट–बाजार
छलछलाता था हँसना–बतियाना।
वह हँसना–बतियाना कहाँ गया ?
कोई मुझे बता दे !
कोई मुझे बोल दे !
वह हँसना–बतियाना कहाँ गया ?

हमारी खुशी बही जा रही है
नदी की ओर, समुंदर को।
उस खुशी को, आओ, हम रोकें।
आओ हम रोकें !
आओ हम रोकें !
उस खुशी को, आओ, हम रोकें !!

राग – काराम

आबेन चि मिसाते रोआलेद

आबेन चि मिसाते रोआलेद?
होरा रे जुड़ि उलिकिङ
मिसाते जुम्बुलिजान।
मिसाते जुम्बुलिजान।
आबेन चि मिसाते पोआलेद
डारे रे जोता कुदाकिङ
मिसाते जुम्पा जान।
मिसाते जुम्पा जान।।

आबेन चि मिसाते उरेलेद?
बुरुटे जुड़ि डोबाकिङ
मिसाते पेरेगेजान।
मिसाते पेरेगेजान।
आबेन चि मिसाते गेलेःलेद
बेड़ारे जोता बान्दाकिङ
मिसाते पारिड़िजान।
मिसाते पारिड़िजान।।

आबेन चि मिसाते आगोम केद
राचारे सोबेन बोंगाको
मिसाते हिजुगाकान।
मिसाते हिजुगाकान।
आबेन चि मिसाते मानान लेद?
दुआर रे जोतो देवताको
मिसाते सेटेराकान।
मिसाते सेटेराकान।।

क्या तुम्हींने एक साथ...

क्या तुम्हीं ने एक साथ रोपे थे ?
रास्ते में आम के दो पेड़ ?
उनमें एक साथ फल लगे।
एक साथ फल लगे।
क्या तुम्हीं ने एक साथ लगाए थे ?
डगर में जामून के दो पेड़ ?
उनमें एक साथ फल लदे।
एक साथ फल लदे।।

क्या तुम्हीं ने एक साथ खोदे थे ?
पहाड़ पर के दो डोभा?
वे एक साथ भर आए।
एक साथ भर आए।
क्या तुमने एक साथ बनाए थे ?
घाटी में दो बाँध?
वे एक साथ भर आए।
एक साथ भर आए।।

क्या तुमने एक साथ मनौती की थी?
आंगन में सभी देवता गण
एक साथ पहुँच गए हैं।
एक साथ पहुँच गए हैं।
क्या तुम्हीं ने एक साथ बुलाया था?
द्वार पर सभी देवता गण
एक साथ पधारे है।
एक साथ पधारे हैं ।।

राग – आड़ांदि

राउड़केला दिरि दुल

राउड़केला दिरि दुल
टाटानगर बिचा दुल।
खाने–खाने
आमेञ काजिकेना, काजिकेन
खाने–खाने।।

मिदे बिता ओते
चिमिनेम कामि सांगिते।
खाने–खाने
आमेञ काजिकेना, काजिकेन
खाने–खाने।।

दिसुम नांगेन कारखाना
कारखाना आबु नांगेन।
खाने–खाने
आमेञ काजिकेना, काजिकेन
खाने–खाने।।

तोबे रेंगेः बागेलाङ
तोबे राबाङ राङालाङ।
खाने–खाने
आमेञ काजिकेना, काजिकेन
खाने–खाने।।

राउरकेला पत्थर ढोन

राउरकेला पत्थर ढोने
टाटानगर लोहा ढोने।
बार–बार
मैं कहता रहा, कहता रहा
बार–बार।।

एक बित्ता जमीन
जोतोगे कितना सब मिलकर?
बार–बार
मैं कहता रहा, कहता रहा
बार–बार।।

देश के लिए कारखाना
कारखाना हमारे लिए।
बार–बार
मैं कहता रहा, कहता रहा
बार–बार।।

तभी भूख हमें छोड़ेगी
तभी ठण्ड हमें छोड़ेगी।
बार–बार
मैं कहता रहा, कहता रहा
बार–बार।।

राग – काराम

राँची जापाः हाटिआ

राँची जापाः हाटिआ
चिमिन जिलि – मिलिआ।
ओटाङेजान हासा दुड़िआ।
दोला सुगिया
कारखाना दोबु कामिआ।।

सुनुमेतेः रेआड़ानतान
आएःतेगे सेसेनेतान।
मसीने गे मसीन बाबाइआ।
दोला सुगिआ
कारखाना दोबु कामिआ।।

हुड़िं–हुड़िं ओतेरे
जेता लेका कामिरे
राचा जोःते रेंगेः काएः निरा।
दोला सुगिआ
कारखाना दोबु कामिआ।।

दिसुमेबु उबारे
सोबेनतेबु सिंगारे।
सेंड़ा–पेड़ेः जेबु ओमेआ।
दोला सुगिआ
कारखाना दोबु कामिआ।।

राँची के पास हटिया

राँची के पास हटिया शहर
कैसा झिल–मिल करता है।
उड़ गई मिट्टी–धूल।
प्रिय सुगिया, चलो
हम काम करने कारखाना चलें।।

तेल से ही नहाती है
अपने आप चलती है।
मशीन ही मशीन बनाती है।
प्रिय सुगिया, चलो
हम काम करने कारखाना चलें।।

थोड़ी–सी जमीन पर
कितना भी काम करने पर
सिर्फ आंगन बुहारने से भूख नहीं मिटती।
प्रिय सुगिया, चलो
हम काम करने कारखाना चलें।।

देश को हम उबारें
सब मिलकर सिंगारें।
बुद्धि–बल जो भी है उसे दें।
प्रिय सुगिया, चलो
हम काम करने कारखाना चलें।

राग – काराम

नेते चि राँची

नेते चि राँची
नेते चि डुरुण्डा ?
दाइगो
सण्डाका डोयोदा–डोयोदा।।

सिंगिदो सांए–सांए
निदा चाड़ाब–चुडुबा।
दाइगो
बिजिलि जिलिबा–जिलिबा।।

पुरनाजान चुटिआ
ने जुग रे हाटिया।
दाइगो
बागेओ:तान रांगा पाड़िआ।।

आदचिलाङ आदाकान
तानाम तुनुमा होरा
दाइगो
कलिजूग काचिम चातुरा।।

क्या इधर ही रांची है ?

क्या इधर ही रांची है ?
क्या इधर ही डुरंडा है ?
हे दीदी
सड़क चलती है, चलती है।।

दिन को सांय–सांय
रात को चमक–दमक।
हे दीदी
बिजली जलती है, जलती है।।

पुरानी पड़ गई नाम चुटिया
इस युग में चलती है नाम हटिया
हे दीदी
छूट रही है लाल पाड़िया।।

हम खो न जाएं कहीं
धुप्प अंधेरी हैं राहें।
हे दीदी
कलियुग में हम सजग रहें।।

राग – काराम

ओल इतुन सहर होरा

ओल इतुन सहर होरा
पाड़ाओ इतुन नगर होरा।
ओहोरे एलारे,
हातु होराम रिड़िङगिड़िकेद।।

लान्दा जागार दिकु काजि
सुसुन दुराङ राड़िकाजि।
ओहोरे एलारे
होड़ो काजिम रिड़िङगिड़िकेद।।

बाबुआको मेतामेआ
माइआनाको मेतामेआ
ओहोरे एलारे,
सिदा नाताम रिड़िङगिड़िकेद।।

लिखना सीखने, शहर की ओर

लिखना सीखने के लिए शहर को चले
पढ़ना सीखने के लिए नगर को चले।
हे प्रिय
तुम गाँव का रास्ता बिल्कुल भूल गए।।

हँसना–बतियाना दिकु भाषा में
नाचना–गाना खिचड़ी भाषा में।
हे प्रिय
तुम अपनी भाषा बिल्कुल भूल गए।।

जब लोग कहते हैं 'हे बाबू'
तब लोग कहते हैं 'हे बेटी'
हे प्रिय
तुम पहले का नाता बिल्कुल भूल गए।।

राग – चिटिद

बुरु सोसो सांगिन दो

बुरु सोसो सांगिन दो
आलोरेमे सांगिनेन।
बेड़ा लामा: पाण्डिलदो
आलोरेम पाण्डिलेन।।

आलोरेमे सांगिनेन
फुटानी के मेतामा।
आलोरेम पाण्डिलेन
नाबाबीको मेतामा।।

फुटानी के मेतामा
हागा–बारे तालारे।
नाबाबीके मेतामा
कुपुल–गंगा तालारे।।

पहाड़ के भेलवा की तरह दूर

पहाड़ के भेलवा की तरह दूर
प्रिय, तुम दूर न होना।
घाटी के लामा: की तरह
प्रिय, तुम छिटक न जाना।।

प्रिय, तुम दूर न होना
लोग कहेंगे 'फुटानी' करता है।
प्रिय, तुम छिटक न जाना
लोग बोलेंगे 'नवाबी' करता है।।

लोग कहेंगे फुटानी करता है
बिरादरी के बीच।
लोग बोलेंगे नवाबी करता है
कुटुम्बों के बीच।।

राग – जादुर

एला होएः मेनेताना

'आओ' कहता है

एला होएः मेनेताना
काटा जाम्बाड़ा मुलि दो।
राताङ बुरु एलाताना
कोटोंड़ा बुरु दोलाताना।
बिरिदपे ताञ हागाकोरे !
बिरिदपे ताञ मिसिकोरे !
तीरे क़ापि सार !
तीरे कापि सार !!

'आओ' कहती है
उत्तर की दिशा।
हिमालय हमें 'आओ' कहता है
सीमान्त पहाड़ 'चलो' कहता है।
उठो, मेरे भाइयो, उठो !
उठो, मेरी बहनो, उठो !
हाथ में फरसा–तीर !
हाथ में फरसा–तीर !!

एला होएः मेनेताना
दिसुम बितार होयो दो।
भारत एंगा एला ताना
जोनोम दिसुम दोलाताना।
बिरिदपे ताञ हागाकोरे !
बिरिदपे ताञ मिसिकोरे !
साबेबु नायाल–आँर !
साबेबु नायाल–आँर !!

'आओ' कहती है
देश के भीतर की हवा।
भारत माँ 'आओ' कहती है
जन्मभूमि 'चलो' कहती है।
उठो, मेरे भाइयो, उठो !
उठो, मेरी बहनो, उठो !
कंधे में जुआ और हल !
कंधे में जुआ और हल !!

'कोएओ काको माराङताना
आपान दिसुम एंगाआतेदो।
सोतोंत्रताएः एलाताना
आजादी गोनोङ दोलाताना।
बिरिदपे ताञ हागाकोरे !
बिरिदपे ताञ मिसिकोरे !
दोलाबु गोगेआ भार !
दोलाबु दुपिले भार !!

कोई भी ऊँचा नहीं होता
अपनी मातृभूमि से।
स्वतंत्रता 'आओ' कहती है
आजादी–मूल्य 'आओ' कहती है।
उठो, मेरे भाइयो, उठो !
उठो, मेरी बहनो, उठो !!
कंधे पर उठाएँ भार !
सिर पर उठाएँ भार !!

राग – नावा

सोतोंत्रो नागोरी

सोतोंत्रो नागोरी
ओ नावा कोनेआरी।
आम नांगेन लिंगिजान खाण्डा–फिरि।
आमचि सारी, लिपि ओ सुसारि।।

आम दांड़ा दुतामते
चाउडालताम गोगेते।
चिमिनले आदेजान बिरे टुंगुरि।
आमचि सारी, लिपि ओ सुसारि।।

सेनोः जान चिमिन सिरमा
नेकागे सामा–सामा।
काम चिनाइ कोए हानार ओकोए होंजारि
आमचि सारी, लिपि ओ सुसारि।।

आम साबेनको किमिन
कोठारेम ताइन चिमिन ?
उकुता तानाको हातु नागारी।
आमचि सारी, लिपि ओ सुसारि।।

स्वतंत्रता नागरी

स्वतंत्रता नागरी
नई नवेली।
तुम्हारे लिए चले खड़ग–फेरी
तुम क्या जानो, प्रिय लिपि–सुसारी।।

तुम्हें खोजते–ढूढ़ते
तुम्हारी डोली ढोते–ढोते
हममे से कितने खो गए जंगलों में पहाड़ी।
तुम क्या जानो, प्रिय लिपि–सुसारी।।

बीते कई साल
यों ही गए बेकार
तुम पहचानती तक नहीं, ससुर–सासुरी।
तुम क्या जानो, प्रिय लिपि–सुसारी।।

तुम बहु हो सबकी
कोठे में कब तक रहोगी ?
शिकायत करते हैं गाँव नगरी।
तुम क्या जानो, प्रिय लिपि–सुसारी।।

राग –नावा

मानोआ जी बालाएतान रे

मानोआ जी बालाएतान रे
दुकु दुदुगार हिआकान रे
सिंबोंगा जीरेः उड़ुः केना।
उड़ुः केआते, धेआन केआते
आयार–तायोम बिचार केआते
मोहनदास आमेः कुलेकेदमेआ।
दिसुम छोतोर आमेः कुलादमेआ।।

धरती तालाम हिजुःलेना
सिंगिलेकाहोम तुरेलेना।
बिर कान्दार जोतो मासकालजाना।
नुबाः निरजाना, सेताः रूआड़जाना
गितिगाकानको बिरिदेजाना।
गाँधी हाड़ाम आमेम हिजुः लेना
नावा होरातेम सेनेकेदा।।

दिसुम दिआम जुण्डिकेदा
आदाकान होराम उदुबकेदा।
दिसुम होड़ोकोआःम आगुआनजाना।
जीरेहो जी, कुड़ामरे कुड़ाम
तोलकेनिः ताइकेना आम।
बापुहाड़ाम आमेन हिजुःलेना
मियाद सिंबोंगाम चुंडुलकेना।।

जब मानव मन दुखी था

जब मानव–मन दुखी था
दुख की आंधी जब बही थी
सिंगबोंगा सोच में पड़े।
चिंतन कर, ध्यान कर
आगे पीछे विचार कर
हे मोहन दास, उसने तुम्हें भेजा।
देश का छाता तुम्हारे हाथ में थामा।।

धरती के बीच तुम आए
सूरज की तरह तुम उगे।
वन–पहाड़ सारे जगमगाए।
अंधेरा भागा, सुबह फिर आई
सोए हुए जाग उठे।
गाँधी जी तुम आए
नए रास्ते में चलते हुए।।

देश का दीआ तुमने जलाया
खोया हुआ रास्ता तुमने दिखाया।
देश के लोगों की तुमने की अगुआई।
जी से जी, छाती से छाती
सबको बांधने वाले तुम्हीं थे।
बापूजी तुम आए
एक परमेश्वर का रास्ता दिखाया।।

राग – हाम्बाल काराम

सारिगेहो सिंगिलेकाम तुरलेना	तुम सच ही सूर्य की तरह उगे थे
सारिगेहो सिंगिलेकाम तुरलेना	तुम सच ही सूर्य की तरह उगे थे
बुरु पारोम राटि मासकालजाना।	पर्वत पार तक प्रकाशित हुआ।
दिसुम–दिसुम दुराङ नाबजाना।	तुम्हारे गीत देश–देश में छा गए।
'कोआम काजिकेदाः, दुराङ बाइजाना	जो भी तुमने कहा, गीत बन गया
आहो माराङ दुराङ हारिआ।	हे महान गीतकार !
दुराङ मेआले, तिला मेआले	हम तुम्हारे गीत गाएंगे, तुम्हें याद करेंगे
जूगु–जूगु हिजुः पारिआ।।	युगों तक समय आगामी।।
आम ओते–हासा बोंगाकेनिः	तुम पृथ्वी, मिट्टी के पूजक
दारु–दिरिलोः जापागारकेनिः।	पेड़–पौधों संग वाचक।
सेंड़ामेआ जीदान नामाननिः ।	ज्ञान–सार–जीवन साधक ?
तपी तेजाननिः, मुनि मेदाननिः	जपी, तेजस्वी, मुनी, द्रष्टा।
आहो सिध रिसि जोगिआ।	हे सिद्ध–ऋषि–योगी !
दुराङ मेआले, तिला मेआले	हम तुम्हारे गीत गाएंगे, तुम्हें याद करेंगे
जूगु–जूगु हिजुः पारिआ।।	युगों तक समय आगामी।।
लेकामेआ बुघ गाँधी लेका	तुम्हें मानेंगे बुद्ध गाँधी की तरह
गुनती मेआ बुदु तुड़ुसी लेका।	गुनेंगे बुदु–तुलसी की तरह।
मानोआको ताला बोंगा लेका।	मानवों के बीच देवता की तरह।
ओकोरेले जुड़िम, चिमाएरेले जोताम	तुम्हारी जोड़ी कहाँ ? तुलना कहाँ ?
आहो बंगभासा कालिआ।	हे बंग भाषा के कालिदास !
दुराङ मेआले, तिला मेआले	हम तुम्हारे गीत गाएंगे, तुम्हें याद करेंगे
जूगु–जूगु हिजुः पारिआ।।	युगों तक समय आगामी।।

राग – हाम्बाल काराम

इसकुलेम बाइकेदा

इसकुलेम बाइकेदा
हातु होड़ोको इतु नांगेन।
इतुन को दुबाकान
मास्टर बांगाइःहो राजा।
चिमिन दिन नेका सेसेन
आमाः राहज हो राजा।।

रानु ओड़ाःम बाइ केदा
हासुतान को बुगि नांगेन।
रुआतान को तांगितान
डाक्टर बांगाइःहो राजा।
चिमिन दिन नेका सेसेन
आमाः राइज हो राजा।।

आपान हातु आपान राइज
सारिरे आजादी नांगेन।
कागज दो हिजाकान
आडर बानोः हो राजा।
चिमिन दिन नेका सेसेन
आमाः राइज हो राजा।।

तुमने स्कूल बनाया

तुमने स्कूल बनाया
गाँव वालों की शिक्षा के लिए।
पढ़ने वाले बेठे हैं
(किन्तु) मास्टर नहीं है, हे राजा !
कितने दिन ऐसे चलेगा
तुम्हारा राज, हे राजा !!

तुमने अस्पताल बनाया
रोगियों की सेवा के लिए।
बीमार इंतंजार कर रहे हैं
(किन्तु) डाक्टर नहीं हैं, हे राजा !
कितने दिन ऐसे चलेगा
तुम्हारा राज, हे राजा !!

अपने गाँव में अपना राज
सचमुच की आजादी के लिए।
कागज तो आ गए हैं
(किन्तु) आर्डर, नहीं है हे राजा !
कितने दिन ऐसे चलेगा
तुम्हारा राज, हे राजा !!

राग – काराम

चालकादरेन बिरसा मुण्डा

चालकादरेन बिरसा मुण्डा
सारतेगे जागारा
सारतेगे जागारा।
एटेकेडी गया सरदार
कापितेगे बाकांड़ा।
कापितेगे बाकांड़ा।।

मायाङ पेरेः सिंङाए सोड़ोए
सारतेगे जागारा
सारतेगे जागारा।
तारानचेतान बिजिर बालाङ
कापितेगे बाकांड़ा।
कापितेगे बाकांड़ा।।

सेंगेल लेका जुलेताना
सारतेगे जागारा
सारतेगे जागारा।
दागे लेका लिंगिताना
कापितेगे बाकांड़ा
कापितेगे बाकांड़ा।।

जोनोम दिसुम नांगेनेगे
सारतेगे जागारा।
सारतेगे जागारा।
ओते हासा नांगेनेगे
कापितेगे बाकांड़ा।
कापितेगे बाकांड़ा।।

चालकाद का बिरसा मुण्डा

चालकाद का बिरसा मुण्डा
बात करे तीर से।
बात करे तीर से।
एटकेडी का गया सरदार
बतिआए फरसे से
बतिआए फरसे से।।

कमर में झनक–झनक
बात करे तीर से
बात करे तीर से।
कंधे पर चमक–दमक
बतिआए फरसे से
बतिआए फरसे से।।

आग की तरह जलता है
बात करे तीर से
बात करे तीर से।
पानी मी तरह बहता है
बतिआए फरसे से
बतिआए फरसे से।।

जन्म भूमि के लिए
बात करे तीर से
बात करे तीर से।
धरती–माटी के लिए
बतिआए फरसे से
बतिआए फरसे से।।

राग – मागे

मेंड़ेद बेरा बेरा तिञा

मेंड़ेद बेरा बेरा तिञा
आञ लेलतेम इआमेआ।
चिमिन जाकेद जी ताइकेना
मेददाःञ गोसोःकेना गा।।

आम नांगेन जी ताञ मेनाः
आम नांगेन सेनोःताना।
आम नांगेन डोम्बारी रे
मायोम लिंगिजाना गा।।

ओड़ाः राचाञ बागे केदा
आड़ि पिड़िञ बागे केदा।
आम नांगेन बिरे–बिर
रेंगेः राबाङजाना गा।।

आमाः दुकुञ पिचाकेदा
सेनतान होराञ बागेकेदा।
आम नांगेन मिसा तीरे
कापिञ साबलेदा गा।।

काटा दुड़ा दे ओमेमे
होरा दे ताञ आड़ागेमे।
आजादी गोनोङ तिसिङ
जी तेञ हालल‌ेआ गा।।

लोहे की सिकड़ी पहने हुए हूँ

लोहे की सिकड़ी पहने हुए हूँ
मुझे देख कर तुम रोओगी।
जब तक मेरा जीवन रहा
हे माँ, मैंने तुम्हारे आँसू पोंछे।।

मैं तुम्हारे लिए ही जीवित हूँ
तुम्हारे लिए ही मेरे प्राण जा रहे हैं।
तुम्हारे लिए डोम्बारी पर
हे माँ, खून की नदी बही।।

मैंने घर–आँगन छोड़ा
मैंने खेत–मैदान छोड़ा।
तुम्हारे लिए जंगल जंगल
हे माँ, मैं भूखा प्यासा रहा।।

तुम्हारे दुख का पीछा किया
अपनी राह मैंने छोड़ दी।
तुम्हारे लिए एक बार हाथ में
हे माँ, मैंने फरसा धारण किया।।

चरण धूलि दो मुझे
मेरे लिए रास्ता छोड़ो।
आजादी का मूल्य आज
मैं अपने प्राणों से चुका लूँ।।

राग – काराम

एला हो बिरसा भगोआन

हे बिरसा भगवान

एला हो बिरसा भगोआन
एलाहोम राकाब लेन।
एलाहो गया सरदार
एला होम उपार लेन।।

हे बिरसा भगवान
तुम उठ आए थे।
हे गया सरदार
तुम ऊपर आए थे।।

एलाहोम राकाबे लेन
मुचिआ चालकाद रे।
एलाहोम उपारे लेन
डोम्बारी बुरु रे।।

तुम उठ आए थे
मुचिआ चालकाद में।
तुम ऊपर आए थे
डोम्बारी पहाड़ पर।।

मुचिआ चालकाद दो
आमगे होए नाम रुड़ातान।
डोम्बारी बुरु दो
आमगे होएः पिचा रूड़ातान।।

मुचिया चालकाद
तुम्हें फिर से ढूंढ़ रहा है।
डोम्बारी पहाड़
तुम्हें फिर से तलाश रहा है।।

आमगे होएः नाम रुड़ा तान
सार कापि सिड़ांए सोंड़ोए।
आमगे होएः पिचा रुड़ातान
बांदु गुलि साड़ि रूमबुल।।

तुम्हें फिर से ढूंढ़ रहा है
तीर–फरसों की झनकार के साथ।
तुम्हें फिर से तलाश रहा है
बन्दूक–गोलियों के धमाके के साथ।।

सार कापि सिंड़ाए सोड़ोंए
आपान जोनोम एंगा नांगेन।
बांदु गुलि साड़ि रूमबुल
आपान ओते हासा नांगेन।।

तीर–फरसों की झनकार के साथ
अपनी जन्म भूमि के लिए।
बन्दूक–गोलियों के धमाके के साथ
अपनी धरती–माटी, मिट्टी के लिए।।

आपान जोनोम एंगा नांगेन
तोआलेकान पिड़ि नांगेन।
आपान ओते हासा नांगेन
दही लेकान बादि नांगेन।।

अपनी जन्मभूमि के लिए
दूध–से मैदान के लिए।
अपनी धरती–माटी के लिए
दही–से खेत के लिए।।

राग – जादुर

यहुदा दिसुम ताला — यहुदा देश के बीच

यहुदा दिसुम ताला	यहुदा देश के बीच
आबुआः राजाहोन जोनोमाकाना।	हमारा राजकुमार पैदा हुआ है
आबुआः राजाहोन जोनोमाकाना।	हमारा राजकुमार पैदा हुआ है।
बाइतुलाम हाजु आतोम	बेथलहम गाँव के किनारे
आबुआः बोंगाहोन उपानाकाना।	हमारा देवकुमार उत्पन्न हुआ है
आबुआः बोंगाहोन उपानाकाना।।	हमारा देवकुमार उत्पन्न हुआ है।।
मरियमाः कोयोङेरे	मरीयम की गोद में
आबुआः राजाहोन जोनोमाकाना।	हमारा राजकुमार पैदा हुआ है
आबुआः राजाहोन जोनोमाकाना।	हमारा राजकुमार पैदा हुआ है।
जुसुबताकिङ हातारेरे	जोसेफ के अंक में
आबुआः बोंगाहोन उपानाकाना।	हमारा देवकुमार उत्पन्न हुआ है
आबुआः बोंगाहोन उपानाकाना।।	हमारा देवकुमार उत्पन्न हुआ है।।
दुकु दासा मेटाओ नांगेन	हमारा दुख–दर्द मिटाने के लिए
आबुआः राजाहोन जोनोमाकाना।	हमारा राजकुमार पैदा हुआ है
आबुआः राजाहोन जोनोमाकाना।	हमारा राजकुमार पैदा हुआ है।
सुकु सोमाए आगुइ नांगेन	हमारी सुख–शान्ति लाने के लिए
आबुआः बोंगाहोन उपानाकाना।	हमारा देवकुमार उत्पन्न हुआ है
आबुआः बोंगाहोन उपानाकाना।।	हमारा देवकुमार उत्पन्न हुआ है।।

राग – मागे

आम नांगेन सामा मोचा

आम नांगेन सामा मोचा
आगोम केना बोंगा कोचा।
तिसिङ दोम आङ नामाकान।
होरा होरा रे, आहो डारे डारे रे
चिमिनले तांगि–तांगितान।।

बिर–कान्दार सेन सेनते
आले गेचा पिचा मेनते।
तिसिङ दोम तुर नामाकान।
होरा होरा रे, आहो डारे डारे रे
चिमिनले तांगि–तांगितान।।

गाड़ा होन बुरु दानाङ
चेंडे होन आमको सानाङ।
बा–दारु आमको दारोमतान।
होरा होरा रे, आहो डारे डारे रे
चिमिनले तांगि–तांगितान।।

तुम्हारे लिए भूखे–प्यासे

तुम्हारे लिए भूखे–प्यासे
हमने देवी–देवताओं से मनौती की थी।
आज तुम हमारे बीच आए हुए हो।
रास्ते–रास्ते, डगर–डगर
हम कबसे तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहे हैं।।

वन–जंगल चलते–चलते
हमारी सुधि लेने के लिए।
आज तुम हमारे बीच उग आए हो।
रास्ते–रास्ते, डगर–डगर
हम कबसे तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहे हैं।।

पहाड़ की आड़ में नदियाँ
चाहती है तुम्हें चिड़ियाँ।
फूल–तरु तुम्हारी राह देख रहे हैं।
रास्ते–रास्ते, डगर–डगर
हम कबसे तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहे हैं।।

राग – काराम

बुरु कोते सुपिदाकान

बुरु कोते सुपिदाकान
गाड़ाकोते पाएलाआकान।
ने ओते तिसिङ एलामे।
तेलामे तांगिमे,
दारोम मेआ हो राँची रेन रिम्बिल।।

रुतु–बानाम रुम्बालाकान
हासा दुमाङ तामुलाकान।
आकाड़ा दुड़ा एलामे।
तेलामे तांगिमे,
दारोम मेआ हो राँची रेन रिम्बिल।।

आहो मिरु हाड़ागुन मे
आहो कारे नोसोरेनेमे ।
ने दारु सुबा एलामे ।
तेलामे तांगिमे,
दारोम मेआ हो राँची रेन रिम्बिल।।

पहाड़ों का जूड़ा बाँधे हुए

पहाड़ों का जूड़ा बाँधे हुए
नदियों का आंचल साजे हुए।
यह धरती तुम्हारा स्वागत करती है।
इंतजार करता है, तुम्हें अंक में लेता है
तुम्हारा स्वागत करता है राँची का आसमान।

बांसुरी–बनाम गूंजने के बीच
मिट्टी का मांदर बजने के बीच।
अखरा की धूल तुम्हारा स्वागत करती है।
इंतजार करता है, तुम्हें अंक में लेता है
तुम्हारा स्वागत करता है राँची का आसमान।

हे प्रिय पंछी, आओ उतरो
हे प्रिय पखेरु, आओ नीचे आओ।
यह पेड़ की छाँव, तुम्हारा स्वागत करती है।
इंतजार करता है, तुम्हें अंक में लेता है
तुम्हारा स्वागत करता है राँची का आसमान।

राग – नावा

ओते रिंबिल बाइकेनिः

ओते रिंबिल बाइकेनिः
आहो आबा सिरिमारेनिः।
दुकु–सुकु हिता हेरनिः
मिदगे लेलतानिः।
जोआरामतान, जोआरामतान
जूगु–जूगु जीदोनिः।
जोआरामतान, जोआरामतान।।

गिरिजा–मोन्दिल रेनिः
आहो एंगा सारनारेनिः।
नामोः नामोः का नामोनिः
सेंड़ा हाटिंनिः।
जोआरामतान, जोआरामतान
जूगु–जूगु जीदोनिः।
जोआरामतान, जोआरामतान।।

आम सांगितेले सांगिलमे
मादिमुलि देलालेमे।
कुइलि, माएनो, रुपु बाइनिः
आङतान, तुरतानिः।
जोआरामतान, जोआरामतान
जूगु–जूगु जीदोनिः।
जोआरामतान, जोआरामतान।।

धरती–आकाश के सृजनहार

धरती–आकाश के सृजनहार
हे स्वर्ग के पिता।
दुख–सुख के बीज वपनकार
सबका समान पालनहार !
तुम्हें नमन, तुम्हें नमन !
हे युग–युग जीवन्त
तुम्हें नमन, तुम्हें नमन !!

गिरजा मंदिर में पूजित
हे माँ, सारना में सेवित।
खोजने पर भी नहीं मिलने वाले
हे ज्ञान बांटने वाले !
तुम्हें नमन, तुम्हें नमन !
हे युग–युग जीवन्त
तुम्हें नमन, तुम्हें नमन !!

हम मिलकर तुम्हारी ओर देखते हैं
हमें प्रकाश की ओर ले चलो।
कोयल, मैना, सुग्गा सबके सृजनहार
हे उदीयमान, हे चलायमान !
तुम्हें नमन, तुम्हें नमन !
हे युग–युग जीवन्त !
तुम्हें नमन, तुम्हें नमन !!

राग – हाम्बाल काराम

ओते जिलिमिलिआ......

ओते जिलिमिलिआ रिमिल लिदिलिदिया
आहो आहो बाइकेनिः, आहोले गोहारिआ।।

आमगेको सिंगबोंगाम, आमगेको रामाम
आमगेको आब्लाहा, आमगेको मसिआ।
आहो आहो बाइकेनिः, आहोले गोहारिआ।।

तुकारे चेड़ेहोन, लातारे कुलाहोन
दागे रोलो रोलोआ होयो हुलु हुलुआ
आहो आहो बाइकेनिः, आहोले गोहारिआ।।

हातुरे हुंदिबा, बिरेरे नारिबा
दुमाङ माड़े माड़ेआ, रुतु तिरिरिरिआ।
आहो आहो बाइकेनिः, आहोले गोहारिआ।।

मादिते मुलिलेम, सेंङाते चापिलेम
आमगेले सारिआ, ओकोएले काजिआ
आहो आहो बाइकेनिः, आहोले गोहारिआ।।

धरती झिल–मिल, आसमान......

धरती झिल–मिल, आसमान झुका हुआ
हे सृजनहार, तुम्हें हमारा जोहार।।

तुम्हीं को सिंबोंगा, तुम्ही को राम कहते हैं
तुम्हीं को अल्लाह, तुम्हीं को मसीह कहते है।
हे सृजनहार, तुम्हें हमारा जोहार।।

घोंसले में चिड़िया, खोह में शेर
पानी का झरना, हवा का बहना।
हे सृजनहार, तुम्हें हमारा जोहार।।

गाँव में हुन्दि फूल, वन में अमलताश
मांदर का धमकना, बांसुरी का टेरना।
हे सृजनहार, तुम्हें हमारा जोहार।।

हमें प्रकाश की ओर ले चलो, ज्ञान से मांजा
हम सिर्फ तुम्हें जानते हैं, किसे कहें और ?
हे सृजनहार, तुम्हें हमारा जोहार।।

राग – नावा

रावन राइज सेनोःजाना

रावँन राइज सेनोःजाना
सीता सोतीः रुआड़लेना।
धरती रे, धरती रे
तिरंगा ओटाङजाना सिरिमारे।।

आकाड़ा नावाबु बाईआ
नावा दुमाङबु दाबेआ।
रासिकारे, रासिकारे
तिरंगा ओटाङजाना सिरिमारे।।

गाँधी–बिरसा ताकिङ
इलिबु तिलाकिङ।
बोंगा कोचा रे, बोंगा कोचा रे
तिरंगा ओटाङजाना सिरिमारे।।

मुकति पोरोबोतिसिङ
चिनाःम हिआतिङ–चाकातिङ।
सुकु सोमाएरे, सुकु सोमाएरे
तिरंगा ओटाङजाना सिरिमारे।।

रावण का राज चला गया

रावण का राज चला गया
सती सीता लौट आई।
धरती पर, धरती पर
तिरंगा लहरा उठा आसमान में।।

हम नया अखरा बनाएंगे
हम नया मांदर छाएंगे।
इसी खुशी में, खुशी में
तिरंगा लहरा उठा आसमान में।।

गाँधी और बिरसा को
हम इलि अर्पित करेंगे।
देव स्थल में, देव स्थल में
तिरंगा लहरा उठा आसमान में।।

आज मुक्ति पर्व है
किस बात की चिंता ?
सुख के समय, सुख के समय,
तिरंगा लहरा उठा आसमान में।।

राग – काराम

धरती तालाञ मेनेआ चि......

धरती तालाञ मेनेआ चि मानेआ जी ताला
आमगेगा मेनाःमेआ, भारत एंगा।
रामेञ मेनेआ चि गाँधीञ मेने
आमागाः होनकिङगे, भारत एंगा।।

आगामाः हासा रेगेः जोनोम लेना
जनक नगरी रे सीता रानी।
बिरसा भगवान, सरदार पटेल
आमागाः तोआ तेकिन मातालेना।।

ओको सोमाए धरती दो डुबाजानां
आमाः होन मनु राजा बांचाओलेना।
नावा दिसुम दो बाइ रूआड़ाजाना
आमागाः कुड़ामेरे भारत एंगा।।

आटाल डालि लेका लेलोः ताना
आमागाः सुपिदेरे राताङ बुरु।
रोकातोआ लेका लिगिताना
आमागाः कुड़ामरे, गंगा गाड़ा।।

आगामाः होनकोले तिंगुआकाना
जीरे आमगेले धेआनताना ।
दुलाड़ाते जोगाओ केमे आलेआःकाजि
तेलाकेमे जोआर ताले, भारत एंगा।।

धरती के बीच कहूँ या....

धरती के बीच कहूँ या मानव हृदय बीच
भारत माँ, तुम्हीं विराजती हो।
राम कहूँ या गांधी कहूँ
हे माँ, वे तुम्हारी ही संतान हैं।

तुम्हारी ही मिट्टी में जन्मी थी
जनक नगरी में सीता रानी।
बिरसा भगवान, सरदार पटेल
तुम्हारे दूध से पले थे।।

जब धरती जलप्लावित हुई थी
तुम्हारा ही पुत्र मनु राजा बच गया था।
नयी धरती फिर से बनी
तुम्हारी ही छाती पर, हे भारत माँ।।

दुधिया फूल—सा शोभता है
तुम्हारे खोपे पर हिमालय पर्वत।
ताजे दूध—सी बहती है
तुम्हारी छाती से गंगा नदी।।

हम तुम्हारी संतान खड़े हैं
मन में तुम्हारा ही ध्यान करते हैं।
हमारी बात प्यार से सुन लो
हे भारत माँ, हमारा जोहार स्वीकारो !

राग – जादुर

उलिको आम्बाराए रे

उलिको आम्बाराए रे
जोजो को जुम्बुलाए रे।
चि कुइलि काम दुराङे, मेताम
किंकोड़ोः काम बानामे।।

आमदोरे कुदा सुड़ा
आमदोरे बारु सुड़ा।
ओकोरे रासिका ताम, मेताम
चिमाए रे छाएला ताम।।

इचाः बा रासि रे
मुरुदबा दारुरे
बा उरु काम बिउरेन, मेताम
चि 'सुकु काम सेकोरेन।।

आम की अमराई में

आम की अमराई में
इमली के झुरमुट में
कोयली, तुम गीत क्यों नहीं गाती ?
किंकोड़ोः तुम बानाम क्यों नहीं सुनाते?

तुम भी जामुन की कोंपल
तुम भी आम के पल्लव।
तुम्हारी खुशी कहाँ चली गई?
तुम्हारी उमंग कहाँ चली गयी।।

धवई फूल के रस में
पलाश फूल के पेड़ में
भंवरे, तुम मण्डराते क्यों नहीं?
मधुमक्खी, तुम पास आते क्यों नहीं?

राग – गेना

सिंबोंगा सीतेः उडुङ जाना दो

भगवान हल चलाने निकल गए

सिंबोंगा सीतेः उडुङ जाना दो
दुरुगार जानादो, कोंआसिजाना दो।
दुरुगार जानादो, कोंआसिजाना दो।
सिमहोन चिआबकेद, चेड़ेहोन चूँकेद
आङनाम तानादो, मासाकाल ताना दो।।

भगवान हल चलाने निकल गए
पूर्वी आसमान में धूल उड़ रही है।
पूर्वी आसमान में धूल उड़ रही है।
मुर्गा बोला, पंछी चहके
विहान आ रहा है, प्रकाश फैल रहा है।।

बा सोआन होयोरे ओटाङजानादो
दुमुर उरू दो, हुरुम सुकु दो।
दुमुर उरू दो, हुरुम सुकु दो।
जिलिङेन जानाको, जुमुरेन को
बा चाण्डुः हिजुःतान, दुकु सोमाए सेटेरतान।।

फूलों की गंध हवा में बहने लगी
भ्रमर और मधुमक्खियाँ –
भ्रमर और मधुमक्खियाँ –
कतार बाँधे निकलीं, साथ उड़ चलीं।
फूलोंका पर्वआ रहा है, सुख समय आ रहा है।।

मेड़ेद मारांड़ा तारानरे गोगेमे
केटेः कांचि बोओःरे दुपिलेम।
केटेः कांचि बोओःरे दुपिलेम।
नावा बान्दा बाइतेबु ताना दो
नावा आड़ि उर तेबु ताना दो।।

युवक, तुम लोहे का बहंगा कंधे पर लो
युवती, तुम मजबूत टोकरी सिर पर लो।
युवती, तुम मजबूत टोकरी सिर पर लो।
हम नया बाँध बाँधने जा रहे हैं
हम नया खेत कोड़ने निकल रहे हैं।।

राग – नावा

बोंगाते ने गाड़ा का तोलोः लेलेमे

बोंगाते ने गाड़ा का तोलोः लेलेमे
होरोते ने होरा का बाइओः लेलेमे।
ने जूगरेन राम धेआन ताम ओकोसाः?
बागेताम आड़िसा, कुदेलाम ने मिसा।।

आमगे दगेरे दिरिम उपलेआ
आमगे होयोरे गुयुम तुरुबेआ।
आलोम बोरोए उयुगोः मोसा का कोड़ेसा।
बागेताम आड़िसा, कुदेलाम ने मिसा।।

रेंगेः राबाङ नेआते सेनोः का
दुकु उदुगार नेआते बिरिद का
ओकोआ का दाड़िओः मोनेलेरे खानेसा
बागेताम आड़िसा, कुदेलाम ने मिसा।।

प्रार्थना से यह नदी बंधने को नहीं ह

प्रार्थना से यह नदी बंधने को नहीं ह
प्रतीक्षा से राह तैयार होने को नहीं है
इस युग के राम तुम्हारा ध्यान किधर है ?
आलस्य छोड़ो हाथ में कुदाल उठाओ।।

तुम ही पानी में पत्थर तैराओगे
तुम ही आसमान में घर बनाओगे
डरो नहीं गिरोगे, एक बार नहीं कई बार।
आलस्य छोड़ो, हाथ में कुदाल उठाओ।।

भूख और गरीबी यहाँ से चली जाएँ
दुख और विपति यहाँ से भाग जाएँ
क्या है ऐसा जो संभव नहीं बार – बार की चेष्टा से
आलस्य छोड़ो, हाथ में कुदाल उठाओ।।

राग – नावा

आपुमेमे दुराङ काड़ि	गीत की कड़ी सुनो
आयुमेमे दुराङ काड़ि	गीत की कड़ी सुनो
सुआंड़ाए मे दुमाङ साड़ि।	मांदर के बोलों को पहचानो।
आकाड़ारे नावा मान्दोड़ि।	अखरा में नया मान्दोड़ी आया है ।
आयार– तायोम आलोम चांगाए' थाउड़ि।	कदम आगे पीछे न उठें।
आकाड़ारे नावा मान्दोड़ि।।	अखरा में नया मान्दोड़ी आया है।
बानोः दुड़ा बा चाण्डुः	यहाँ सरहुल की धूल नहीं है
नेरे लोलोद काण्डु–माण्डु।	यहाँ भादो की लथपथ कीचड़ है।
आकाड़ारे नावा मान्दोड़ि।	अखरा में नया मान्दोड़ी।
टोरेम जादुराचि काराम लाजाड़ि।	जादुर है या करम है इसे पहचानो
आकाड़ारे नावा मान्दोड़ि।।	अखरा में नया मान्दोड़ी।
आचोंड़ो चिमिआङा तामाः	तुम्हारा आंचल जितना है
पुराः तेला आलोमाः।	उससे अधिक न लोकना !
आकाड़ारे नावा मान्दोड़ि।	अखरा में नया मान्दोड़ी।
आलोम बागे ताला कारामडारी	बीच के करम देवता को न भूलना
आकाड़ारे नावा मान्दोड़ि।।	अखरा में नया मान्दोड़ी।
आतोमेते हातु जाड़ि	आखरा के किनारे गाँव के लोग
हुडिङ माराङ जोकाजुङि।	छोटे बड़े सभी आए हैं।
आकाड़ारे नावा मान्दोड़ि।	अखरा में नया मान्दोड़ी।
दुराङेआए नेःगे ने मुण्डारी।	गायक 'मुण्डा' अब गाने ही वाला है
आकाड़ारे नावा मान्दोड़ि।।	अखरा में नया मान्दोड़ी आया है।

राग – काराम

राँची संडक दो झिले मिले	राँची की सड़क झिल मिल कर रही है
राँची संडक दो झिले मिले	राँची की सड़क झिल मिल कर रही है
पुण्डि सायोबे को साटोब–साटोब।	गोरे साहब खटाखट चल रहे हैं।
हटिया हातु दोरे हिले–हिले	हटिया गाँव कांपता सा दिखता है
रेजा कुलि दोरे जिड़िब जिड़िब।।	रेजा कुली सटासट कर चल रहे हैं।।
पुण्डि सायोबेको साटोब–साटोब	गोरे साहब खटाखट चल रहे हैं
हटिआ सेरें तेको सेटेरेकेदा।	वे हटिया की पहाड़ियों की ओर आ गए।
रेजा कुलि दोरे जिड़िब जिड़िब	रेजा कुली सटासट कर चल रहे हैं
हटिआ हासा दोको हाड़ागु केदा।।	वे हटिया के खेतों में उतर आए।।
हटिआ सेरेङ तेको सेटेरकेदा	वे हटिया की पहाड़ियों की ओर आ गए
दिरि हुदुबदो हांदिड़िजाना।	पत्थर और चट्टान जड़ से उखड़ गए।
हटिआ हासा दोको हाड़ागुकेदा	वे हटिया के खेतों में उतर आए
हटिआ दुड़ा दोरे ओंटाङ जाना।।	हटिआ में धूल ही धूल उड़ने लगी।।
दिरि हुटुदुबदो हांदिड़ि जाना	पत्थर और चट्टान जड़ से उखड़ गए
होरोतान बोंगा होको हारे निरकिःआ।	रक्षक देवता को उन्होंने निकाल बाहर किया।
हटिआ दुड़ा दोरे आटोड़जाना	हटिआ में धूल ही धूल उड़ने लगी
जांगि तान देवता होको दालेकुल किःआ।।	पालक देवता को उन्होंने मार भगा दिया।।

राग – जादुर

ने जेटे काले–काल

ने जेटे काले–काल
ने लोलो बाले–बाल।
सातिं दारोमेआलाङ बासि मांडिते।
हिजुः राबाङ चाण्डुः कोलोम कुमुते।।

हासा जाआः दिरिजानरे
दिरिजाआः गेराजानरे।
सातिं दारोमेआलाङ केटेः कुड़ामते।
हिजुः राबाङ चाण्डुः कोलोम कुमुते।।

चिमिन चिमिन चेंडेको हिजुः
बिर–बुड़ि गाड़िको हिजुः।
होसोड़ो दारोम कोआलाङ एटा चारा त।
हिजुः राबाङ चाण्डुः कोलोम कुमुते।।

जेठ की यह कड़ी धूप

जेठ की यह कड़ी धूप
यह गर्मी और पसीना।
बासी भात खाकर हम सह लेंगे।
अगहन के भरे खलिहान के सपने में।।

मिट्टी भी अगर पत्थर हो जाए
पत्थर भी आज लोहा बन जाए।
हम छाती कड़ी कर इसका सामना करेंग।
अगहन के भरे खलिहान के सपने में।।

कितने पंछी फसल पर उतरेंगे
कितने भालू–बंदर आएंगे।
उन्हें हमें अलग चारा से टरकाएंगे।
अगहन के भरे खलिहान के सपने में।।

राग – काराम

बुरु दागे छाले–छाल

बुरु दागे छाले–छाले
चिमिने चाम साले–बाले।
इदि मेआले, सुतुः मेआले।
लेलेमे लेलेमे तीरे मेड़ेद बेरा रे।।

सोना नगरी रानी
आयुमतादाएः ताम काहानी।
कोतेम निरे रे, चिमाएतेम सेनेरे?
लेलेमे, लेलेमे तीरे मेड़ेद बेरा रे।।

जिलि–मिलि गितिल पिड़ि
लोलोम उलाए चि घड़ी।
ओते तामाःरे, सामाड़ोमले हेरेरे।
लेलेमे, लेलेमे तीरे मेड़ेद बेरा रे।।

कुइ ली हो लाडे–चाडे
आकाड़ा रे काम दुराड़े।
तिरि रिरि बितारेरे दुराङले तोले रे।
लेलेमे, लेलेमे तीरे मेड़ेद बेरा रे।।

हे छलछलाते पहाड़ी झरने

हे छलछलाते पहाड़ी झरने
तुम कबतक छलछलाते रहोगे ?
हम तुम्हें बांधकर ले चलेंगे।
देखो हम लोहे की हथकड़ी लिए आए हैं।।

स्वर्णपुरी की रानी
तुम्हारी कहानी सुन चुकी है।
केसे बच निकलोगे, कहाँ भागोगे?
देखो हम लोहे की हथकड़ी लिए आए हैं।।

हे झिलमिलाती मरु भूमि
तुम कब तक आग उगलोगी ?
तुम्हारी धरती पर हम सोने की खेती करेंगे।
देखो हम लोहे की हथकड़ी लिए आए हैं।।

हे कोयल, फुदकती–फिरती
अखरा से कब तक दूर रहोगी ?
अपनी बाँसुरी में हम तुम्हारे जीत भर लेंगे।
देखो हम हथकड़ी लिए आए हैं।।

राग – काराम

RAM DAYAL MUNDA (A Brief Biodata)

BIRTH :

Vill. Diuri, P.O. Tamar, Ranchi, 1939.

EDUCATION:

Lutheran Mission School, Amlesa, Tamar, Ranchi, 1946-53.

S.S. High School, Khunti, Ranchi, 1953-57.

Ranchi University, Ranchi, 1957-63, M.A. (Anthropiogy). University of Chicago, USA, 1963-70, MA, PhD (Linguistics).

REASERCH AND TEACHING:

Research Assistant, South Asian Languages and Civilizations, University of Chicago, 1963-70.

Assistant Professor-Associate Professor, South Asian Studies, Universtiy of Minnesota, Minneapolis, 1970-81.

University Professor, Tribal and Regional Languages, Ranchi University, 1981-99.

Visiting Professor, Australian National University Canberra, 1983.

Visiting Professor, Syracuse University, New York, 1996.

Visting Professor, Tokyo University, Japan, 2001

FELLOWSHIPS:

American Institute of Indian Studies, 1977-78.

United States Educational Foundation in India, 1996.

Japan Society for the Promotion of Science, Tokyo, 2001

FIELD OF RESEARCH AND TEACHING:

Indian Languages and Literatures.

Tribal Peoples of India.

World Indigenous Movement.

Jharkhand Movement Development

PUBLICATIONS:

13 books (3 edited) and 51 papers,

Translation (7 books) from Mundari, Hindi, Sanskrit, Bengali and English.

ADMINISTRATIVE SERVICE:

Vice-Chancellor, Ranchi University, 1985-88.

MEMBERSHIP IN NATIONAL/INTERNATIONAL COMMITTEES/ ORGANISATIONS.:

Committee on Jharkhand Matters, Goverment of India, 1989-95.

Anthropological Survey of India, 1988-91.

National Educational Policy Review Committee, 1990.

Steering Group, Planning Commission, 1996.

Experts Committee, National Commission on Women, 1997- Present.

Indian Confederation of Indigenous and Tribal Peoples, 1993-Present.
National Advisory Board, International Labor Organization, 1997-2000.
Executive Committee, Jawaharlal Nehru University 1990-95.
Executive Committee, North-Eastern Hill University, 1993-96. Jharkhand Peoples Party, 1991-98 (Chief President).
Adimjati Sewa Mandal, 1990-Present (President).
Jharkhand Sanskritik Morcha, 1998-Present (President).
Jharkhand Buddhijiwi Morcha, 1998-Present (President).
Ranchi University PG Teachers Association, 1998-2000 (President).
Bharitiya Sahitya Vikas Nyas, 1998-Present (Secretary).
Binrai Institute of Research, Study and Action, 1997-Present (President).
Standing Committee, Human Rights Education, University Grants Commission, 1998-Present.
National Committee for Promotion of Social and Economic Welfare, 1998-2000.
Expert Committee, Sahitya Academy, 1999-Present.
Working group on Empowerment of Scheduled Tribes Planning Commission, 2002-2007. (Chairperson).
National Council for Teacher Education, 2001-2004.

PARTICIPANT IN INTERNATIONAL MEETINGS/CONFERENCES:

Festival of India in the USSR, 1987 (Leader of Delegation).
International Music Workshop, Bali, Indonesia, 1988.
International Dance Alliance, Manila, Philippines, 1989.
International Folk Dance Festival, Taipei, 1990.
Adivasi Campaign in Europe, 1993.
Dalit Campaign in Europe, 1994.
International Conference on Indigenous Economy, Copenhagen, Denmark, 1997.
United Nations Working Group on Indigenus Populations, Geneva 1990-Present (Leader of delegation).
International Alliance of Indigenous Peoples of the Tropical Forests, Nagpur. 1998.
Asian Indigenous Peoples' Workshop on Permanent forum. , Indore, 1999.
International Conference on Indigenous Peoples, Upsala, Sweden, 2000.
International Conference on Hunting & Games, Berlin, 2000

TRAVELS:

North America, Europe and Asia-Pacific.

CONTACT:

Behind Ranchi College, Ranchi - 834008, Jharkhand.
Telephone / fax : 009 651 2233090 • E-mail : rdmunda@yahoo.co.uk

●●●

